29 April -26 page 1 28-04-26 11:11 PM Page 1

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली | बुधवार 29 अप्रैल -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 126 पेज-08 ● RNI NO. DELHI/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

गंगटोक में बोले पीएम मोदी

'सिक्किम और नॉर्थ ईस्ट भारत की अष्टलक्ष्मी...'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय सिक्किम दौरे पर पहुंचे हैं। यहां सिक्किम के राज्य बनने के 50वें वर्ष पर आयोजित कार्यक्रम के समापन समारोह पर उन्होंने कहा कि यहां आते ही एक नई अनुभूति, नया आनंद और चारों तरफ उत्सव का माहौल देखा। मन खुशियों से भर गया।

पीएम ने कहा कि रात में हुई बारिश, फिर सुबह की ठंडक और ये खिली हुई धूप। सिक्किम के रंग ही निराले हैं। पूरब का स्वर्ग सिक्किम, आर्किडस का गार्डन सिक्किम। इसका अप्रतिम सौंदर्य, यहां की शान्ति, यहां का आध्यात्मिक आनंद, ये अनुभूति बड़े सौभाग्य से मिलती है।

पीएम मोदी बोले, 'जब देश में राजनीतिक स्वार्थ के चलते भाषावाद, प्रांतवाद, ऊंच-नीच और देश में भेदभाव के लिए लगातार कोशिश हो रही है। आज सिक्किम ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत के दर्शन करा दिए। उन्होंने इस छोटे से कार्यक्रम में पूरा हिंदुस्तान आंखों के सामने खड़ा कर दिया।'

उन्होंने कहा, 'वाकई आपने दिल जीत लिया है। केवल मोदी का ही नहीं, पूरे हिंदुस्तान का दिल जीत लिया है आपने आज। यही तो भारत भक्ति, देशभक्ति होती है। नई पीढ़ी में इसी से देशभक्ति के भाव जागते हैं।'

40 झुग्गियों में धधकी आग, 100 फुट तक उठीं लपटें

गनीमत रही टला बड़ा हादसा और नहीं गई किसी की जान

- नंदग्राम इलाके में आग से फैली सनसनी
- फायर यूनिट ने की त्वरित कार्रवाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गर्मी के मौसम में आग अपना तांडव मचा रही है। तो सादिक नगर इलाके में मंगलवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब झुग्गी-झोपड़ियों में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। आग इतनी भीषण थी कि उसकी लपटें करीब 100 फुट तक उठती दिखाई दीं और दूर-दूर तक काला धुआं फैल गया, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग ने तेजी से फैलते हुए आसपास की झुग्गियों को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। देखते ही देखते करीब 40 झुग्गियां आग की जद में आ गईं। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटों की तीव्रता के आगे सभी प्रयास नाकाम साबित हुए। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन कोतवाली से दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में दो फायर टैंकरों ने मोर्चा संभाला और लगातार पंपिंग कर आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग को नियंत्रित कर लिया, जिससे और बड़ा नुकसान होने से बच गया।

सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि फायर स्टेशन कोतवाली को शाम 17:32 बजे आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही दो फायर टैंकरों को तत्काल मौके पर रवाना किया गया। मौके पर पहुंचकर देखा गया कि आग तीन झुग्गियों में लगी थी, जो तेज हवा और ज्वलनशील सामग्री के कारण तेजी से फैल रही थी। दमकल कर्मियों ने दो हौज पाइपों के माध्यम से पंपिंग कर आग पर पूर्ण रूप से काबू पाया। उन्होंने बताया कि फायर यूनिट की त्वरित कार्रवाई से आसपास की करीब 40 झुग्गियों को सुरक्षित बचा लिया गया, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। आग कुर्बान खान पुत्र हवेल खान की झुग्गियों में लगी थी, जो उस समय मौके पर मौजूद नहीं थे। राहत की बात यह रही कि इस भीषण आगजनी में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

हालांकि कई परिवारों का सामान जलकर खाक हो गया, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है। घटना के दौरान स्थानीय पुलिस भी मौके पर मौजूद रही और स्थिति को संभालने में सहयोग किया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। फायर विभाग की तत्परता और सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर झुग्गी क्षेत्रों में सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दुष्कर्म के आरोपी को सुनाई गई सजा ऑपरेशन कन्विक्शन से निकला रास्ता

गाजियाबाद करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत दुष्कर्म के एक आरोपी को सख्त सजा दिलाने में सफलता मिली है। प्रभावी पैरवी और मजबूत साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को कुल 10 वर्ष के कठोर कारावास सहित अर्थदंड से दंडित किया है।

सीपी की ओर से गठित कन्विक्शन सेल की सक्रिय भूमिका इस मामले में अहम रही। विवेचक उपनिरीक्षक जय कुमार (तत्कालीन थाना नंदग्राम) द्वारा की गई सटीक विवेचना और विशेष लोक अभियोजक संजीव कुमार बखरवा की प्रभावी पैरवी के चलते अदालत में आरोप साबित हो सके। मामला थाना नंदग्राम क्षेत्र का है, जहां आरोपी दीपक यादव ने वादी की नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। घटना के संबंध में 3 अप्रैल 2021 को थाना नंदग्राम में मुकदमा दर्ज कराया गया था। इस मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट), कोर्ट संख्या-02, गाजियाबाद ने सुनवाई के बाद आरोपी को पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 में 10 वर्ष का कठोर कारावास और 10 हजार रुपये का अर्थदंड, तथा धारा 363 भादवि में 3 वर्ष का कठोर कारावास और 5 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

इस मामले में कन्विक्शन सेल के पैरोकार सतकुमार और थाना नंदग्राम की पैरोकार पूनम राणा का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन कन्विक्शन के माध्यम से अपराधियों को सजा दिलाना प्राथमिकता है, जिससे समाज में कानून का भय बना रहे और पीड़ितों को न्याय मिल सके।

पूरा हो गया ट्रैफिक में अधिकारियों का कोरम, अब सड़कों पर दिखेगी फोर्स

हो गई एडिशनल सीपी से लेकर डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी, इंस्पेक्टर-सबइंस्पेक्टर की पोस्टिंग

- पुलिस आयुक्त जे रंविदर गौड ने कहा कि अब केवल पदों की पूर्ति नहीं हुई है, बल्कि इसका प्रभाव भी जल्द ही सड़कों पर दिखाई देगा।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद ट्रैफिक व्यवस्था के अंतर्गत यातायात विभाग में अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती अब पूरी तरह से संतुलित हो गई है। पुलिस आयुक्त जे रविंदर गौड ने जानकारी देते हुए बताया कि यातायात व्यवस्था को मजबूत और सुचारु बनाने के लिए विभाग में आवश्यक संख्या में अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है। उन्होंने बताया कि अब यातायात विभाग में एडिशनल सीपी, डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी सभी पदों पर तैनाती सुनिश्चित कर दी गई है। इसके साथ ही 12 यातायात निरीक्षक और 136 यातायात उपनिरीक्षक भी पुलिस कमिश्नरेट में तैनात किए गए हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर यातायात विभाग में अब 1000 से अधिक पुलिसकर्मी सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। पुलिस आयुक्त जे रंविदर गौड ने कहा कि अब केवल पदों की पूर्ति नहीं हुई है, बल्कि इसका प्रभाव भी जल्द ही सड़कों पर दिखाई देगा।

सभी अधिकारियों को क्षेत्र में उतरकर कार्य करने, यातायात व्यवस्था की नियमित निगरानी करने और जाम की समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

शुरू होगा नो जाम अभियान

करंट क्राइम : उन्होंने यह भी कहा कि शहर में शून्य जाम अभियान को तेज किया जाएगा। इसके अंतर्गत प्रमुख चौराहों, भीड़भाड़ वाले बाजारों, विद्यालय और महाविद्यालय क्षेत्रों तथा मुख्य मार्गों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जहां आवश्यकता होगी, वहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और यातायात संचालन की व्यवस्था में आवश्यक सुधार भी किए जाएंगे। पुलिस कमिश्नरेट में यातायात विभाग की यह मजबूत व्यवस्था शहरवासियों को जाम और अव्यवस्था से राहत दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। अब यह देखना होगा कि इसका प्रभाव आम जनता को कितनी जल्दी महसूस होता है।

डीसीपी-एडीसीपी ने पैदल किया रोड्स का निरीक्षण

करंट क्राइम : मंगलवार से गाजियाबाद में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिस अधिकारियों ने सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन और एडीसीपी वरुण कुमार सिंह ने हापुड़ तिराहा- न्यू बस अड्डा क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने ट्रैफिक संचालन, जाम की स्थिति और व्यवस्थाओं का मौके पर जायजा लिया। उन्होंने देखा कि किन बिंदुओं पर यातायात बाधित होता है और उसे कैसे सुचारु किया जा सकता है। इसके अलावा अधिकारियों ने इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि ट्रैफिक मैनेजमेंट को और अधिक प्रभावी बनाया जाए, जाम की समस्या वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए और तकनीक का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

सीनियर सिटीजन सेल को बेहतर बनाएंगे एडीसीपी राजेश पांडे

सीपी जे रविंदर गौड का निर्देश पुलिस खुद पहुंचे फरियादियों तक

गौरव शशि नारायण।

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और त्वरित सहायता को प्राथमिकता देते हुए पुलिस आयुक्त जे रविंदर गौड ने सीनियर सिटीजन सेल को एक मिशन अभियान के रूप में मजबूत करने की पहल की है। इस दिशा में उन्होंने एडीसीपी राजेश पांडे को सीनियर सिटीजन सेल का नोडल प्रभारी नियुक्त कर जिम्मेदारी सौंपी है।

पुलिस आयुक्त की सोच स्पष्ट है कि पुलिस थाने तक नहीं, बल्कि जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचे। इसी विजन के तहत मंगलवार को आयोजित बैठक में उन्होंने सीनियर सिटीजन सेल को संवेदनशील, सक्रिय और परिणाममुखी बनाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक थाने में इस सेल को पूरी तरह कार्यशील बनाया जाए, जहां दो उपनिरीक्षक, एक महिला सिपाही और अन्य पुलिसकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित हो। यह टीम केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहकर बीट पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करेगी और क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों से नियमित संपर्क बनाए रखेगी। साथ ही मिशन शक्ति केंद्र और पिंक बूथ को भी इस अभियान से जोड़कर महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा को एकीकृत रूप से मजबूत किया जाएगा।

सेल में रहेगा रजिस्टर होगी, हर 15 दिनों में जांच

करंट क्राइम : सीपी जे रविंदर गौड ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी वरिष्ठ नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए बार-बार थाने के चक्कर न लगाने पड़ें।

पुलिस स्वयं उनके घर पहुंचे, उनकी बात सुने और प्राथमिकता के आधार पर समस्या का निस्तारण करे।

इसके लिए एक न्यूनतम मानक प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जा रही है, जिससे शिकायतों के निपटान में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त हर थाने में सीनियर सिटीजन सेल का एक विशेष रजिस्टर तैयार किया जाएगा, जिसमें सभी शिकायतों और उनके निस्तारण का विवरण दर्ज होगा। इस रजिस्टर की हर 15 दिन में एडीसीपी स्तर के अधिकारी समीक्षा करेंगे। यदि किसी स्तर पर लापरवाही, देरी या गलत जानकारी दर्ज करने की शिकायत सामने आती है, तो संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड की इस पहल को एक संवेदनशील और जनहितैषी पुलिसिंग मॉडल के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें सेवा, सुरक्षा और विश्वास को आधार बनाकर वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। यह मिशन न केवल पुलिस की कार्यप्रणाली को मजबूत करेगा, बल्कि समाज में भरोसे का एक नया आधार भी स्थापित करेगा।

जयंत चौधरी से मिलकर अम्बरीश त्यागी ने दिया है कोई बड़ा संदेश!

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सियासत में शक्ति प्रदर्शन एक आम बात है। हर नेता किसी खास मौको पर अपनी ताकत का मुलाहिजा पेश करता है। इस मुलाहिजा में समर्थकों की तादात होती है। इस मुलाहिजे में जोश होता है और अगर दल वाला रिश्ता बना है तो फिर संख्या बल बताता है कि हम कितनी मात्रा में तुम्हारे साथ आ रहे हैं। राजनीतिक हालातों की बात करें तो ताजा घटनाक्रम रालोद का है। जदयू के पूर्व महासचिव पूर्व सांसद केसी त्यागी ने अपनी नई राजनीतिक पारी राष्ट्रीय लोकदल के साथ शुरू की है।

उनका आना पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रालोद का माइलेज देता दिखाई दे रहा है। केसी त्यागी बौद्धिक चिंतन के बड़े नेता माने जाते हैं। राजनीति का एक लाइफाटाइम अनुभव है, बड़े दरबारों में पकड़ है और खुद एक बड़ा सियासी प्रोफाइल रखते हैं। वो अब राष्ट्रीय लोकदल में हैं और उनकी ज्वाइनिंग के साथ-साथ उनके पुत्र अम्बरीश त्यागी की भी रालोद में एंट्री शुरू हो गई। अम्बरीश त्यागी अपने पिता की तरह ही राजनीति में बौद्धिक वर्ग के नेता हैं। अक्सर विधानसभा की दावेदारी में उनका नाम चलता है।

राजनीतिक समझ की बात करें तो अम्बरीश त्यागी एक ऐस चेहरा हैं जो ग्लोबल राजनीतिक समझ रखते हैं। वो अंतरराष्ट्रीय स्तर के राजनीतिक विश्लेषक हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में उन्हीं की कंपनी ने कार्यभार संभाला था। अम्बरीश त्यागी दिल्ली यूनिवर्सिटी से लेकर खेलकूद तक जुड़े हैं। वहीं दूसरी तरफ राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी भी इस प्रोफाइल को जानते हैं। केसी त्यागी का अपना राजनीतिक कद है और अम्बरीश त्यागी का अपना राजनीतिक व्यक्तित्व है।

राष्ट्रीय लोकदल में अम्बरीश त्यागी ने एक संदेश दिया है कि अभी ज्वाइनिंग शुरू हुई है और अभी ये काफिला और बढ़ेगा। अम्बरीश त्यागी युवा वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं और जब एक शक्तिशाली चेहरा शक्ति प्रदर्शन करें तो इसके मायने होते हैं। दिल्ली में एक प्रोग्राम हुआ और यहां पर अम्बरीश त्यागी के साथ कई त्यागी चेहरे आए, अन्य लोग आए और रालोद के मुखिया जयंत चौधरी ने सभी को राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता दिलवाई। कार्यक्रम भले ही दिल्ली में है, लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति का संदेश दिल्ली के इसी कार्यक्रम से दिया गया है।

अम्बरीश त्यागी के नेतृत्व में सभी ने राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता हाशिल की है। बड़ी बात ये है कि खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने यह सदस्यता ग्रहण कराई है। एक संदेश यहीं से शुरू हो गया। अम्बरीश त्यागी चुनावी चेहरा भी हैं वो विधानसभा के चुनावी रण में मुरादनगर से दावेदारी का चेहरा थे। हालांकि उन्होंने कभी खुद टिकट नहीं मांगा, लेकिन ये माना जाता है कि अम्बरीश त्यागी की एंट्री दावेदार के रूप में ही कराई गई थी। अब जब वो रालोद में आ गये हैं कि तो एक बार फिर मुरादनगर पर उनके नाम की चुनावी चर्चा शुरु हो गई है।

हालांकि उनका नाम सिवाल खास सीट से भी चलता है। वो कहां से दावेदारी करेंगे ये समय बताएगा, लेकिन उन्होंने दिल्ली में जब एक बड़ी ज्वाइनिंग कराई है तो एक बड़ा संदेश दिल्ली से निकल पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गया है। संदेश यह है कि यदि अम्बरीश त्यागी रालोद का कुनबा बढ़ा रहे हैं तो यहां और भी चीजें बढ़ेंगी।

अभी तो ज्वाइनिंग शुरू हुई है

तुगलक रोड आवास पर हुई मुलाकात और ये हुई बात

करंट क्राइम। दिल्ली के 25 तुगलक रोड आवास पर केंद्रीय मंत्री तथा रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी से रालोद नेता अम्बरीश त्यागी के नेतृत्व में त्यागी समाज सहित सर्व समाज के सैकड़ों लोगों ने भेंट की और रालोद में अपना समर्थन और विश्वास व्यक्त किया। इस मुलाकात में व्यापार जगत, किसान संगठन, शिक्षा क्षेत्र और विभिन्न संगठनों के दर्जनों पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर जयंत चौधरी के नेतृत्व पर भरोसा जताया। जयंत चौधरी ने सभी का स्वागत करते हुए विकास और सर्वसमाज की उन्नति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

राजेश पांडे बने एडीसीपी प्रोटोकॉल वरुण सिंह को मिली ट्रैफिक की कमान

राजेश पांडे
एडीसीपी प्रोटोकॉल

वरूण सिंह
एडीसीपी ट्रैफिक

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम के तहत हाल ही में तैनात किए गए अधिकारियों को अब उनके कार्यक्षेत्र सौंप दिए गए हैं। पुलिस कमिश्नर जे रविन्दर गौड द्वारा किए गए इस फेरबदल में प्रशासनिक और फील्ड दोनों स्तरों पर तेजी दिखी है। पुलिस कमिश्नर ने राजेश पांडे को एडीसीपी प्रोटोकॉल नियुक्त किया है। इसके साथ ही उन्हें वरिष्ठ नागरिक सेल की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

माना जा रहा है कि उनके अनुभव का लाभ प्रोटोकॉल ड्यूटी के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और समस्याओं के समाधान में मिलेगा। वहीं, वरुण वीर सिंह को एडीसीपी ट्रैफिक का चार्ज दिया गया है। जिम्मेदारी मिलते ही उन्होंने सक्रियता दिखाते हुए पहले ही दिन फील्ड में उतरकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने और जाम की समस्या से निपटने के लिए तत्काल निर्देश भी दिए। कमिश्नरेट में इस तरह से कार्यों का स्पष्ट विभाजन होने के बाद अब अधिकारियों की जवाबदेही भी तय हो गई है। आने वाले दिनों में ट्रैफिक व्यवस्था और प्रोटोकॉल ड्यूटी में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

नई दिल्ली | दैनिक करंट क्राइम
02 | बुधवार • 29 अप्रैल -2026

गुजरात निकाय चुनाव में भाजपा का ऐतिहासिक क्लीन स्वीप, सभी 15 नगर निगमों पर कब्जा

मोरबी में सभी 52 सीटें जीतीं, सूरत में 115 सीटों पर कब्जा, ग्रामीण क्षेत्रों में भी दबदबा कायम

अहमदाबाद। गुजरात में स्थानीय निकाय चुनाव की मतगणना पूरी हो चुकी है। इसके साथ ही 15 नगर निगमों और ग्रामीण निकायों सहित 9000 से ज्यादा सीटों पर हुए चुनाव का फैसला हो चुका है। जिसमें भाजपा में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए सभी 15 नगर निगमों पर कब्जा जमा लिया है।गुजरात में स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने सभी 15 नगर निगमों पर जीत हासिल कर ली है।

राज्य चुनाव आयोग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, सत्तारूढ़ दल भाजपा ने नगर निगमों में कुल सीटों के आधे से अधिक पर जीत दर्ज की है। मोरबी नगर निगम में भाजपा ने सभी 52 सीटों पर कब्जा किया है। रविवार, 26 अप्रैल को 15 नगर निगमों, 84 नगर पालिकाओं, 34 जिला पंचायतों और 260 तालुका पंचायतों के लिए मतदान हुआ था। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले इन चुनावों को राज्य के सबसे बड़े चुनावी अभ्यासों में से एक माना गया। इसमें लगभग 9,200 सीटों पर 4.18 करोड़ से अधिक पात्र मतदाता शामिल थे। स्थानीय निकाय चुनाव में मतदान प्रतिशत राज्य चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, नगर निगमों के लिए 55.1 फीसदी, नगर पालिकाओं के लिए 65.53 फीसदी, जिला पंचायतों के लिए 66.64 फीसदी और तालुका पंचायतों के लिए 67.26 फीसदी मतदान हुआ। नगर निगमों में, कच्छ जिले के नवगठित गांधीधाम में सबसे कम 46.03 फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

भाजपा ने जिला और तालुका पंचायतों में बनाई बढ़त

भाजपा ग्रामीण स्थानीय निकायों में भी एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरी है। 1,090 सीटों वाली 34 जिला पंचायतों में पार्टी ने 568 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को 77 और अन्य को 30 सीटें मिलीं। वहीं 5,234 सीटों वाली 260 तालुका पंचायतों में भाजपा ने 2,397 सीटें हासिल कीं, कांग्रेस ने 591 सीटें जीतीं, जबकि अन्य को 329 सीटें मिलीं। सूरत नगर निगम की 120 सीटों में से भाजपा ने 115 सीटें जीती हैं। वहीं, आप चार सीटों पर सिमट गई है। आप ने 2021 में 27 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में एक सीट गई है।

दाहेगाम नगरपालिका में 23 वर्षीय युवक ने चुनाव जीता

दहेगाम नगरपालिका के आम चुनाव के नतीजे सभी का ध्यान खींच रहे हैं। खासकर वार्ड नंबर 5 में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार ऋषि दीपककुमार अमीन ने शानदार जीत हासिल करके नया इतिहास रच दिया है। महज 23 साल की कम उम्र में नगरपालिका चुनाव जीतकर वे दहेगाम के सबसे युवा जन प्रतिनिधि बन गए हैं।

काशी दौरे पर पीएम मोदी, हजारों करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में हिस्सा, शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं को मिलेगा बड़ा बढ़ावा

वाराणसी। पीएम मोदी मंगलवार की दोपहर दो दिवयीय दौरे पर काशी पहुंचे। बाबतपुर एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया गया। इसके बाद पीएम मोदी हेलिकॉप्टर से बरेका स्थित हेलीपैड पर पहुंचे। यहां से वे गेस्ट हाउस गए। पीएम करीब पांच बजे बरेका में आयोजित जन आक्रोश महिला सम्मेलन में पहुंचे। यहां महिलाओं का अभिवादन करते हुए मंच पर पहुंचे।

10 करोड़ रुपये की लागत से यूपी कॉलेज में हॉकी टर्फ का लोकार्पण : युवाओं को खेल के क्षेत्र में प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से यूपी कॉलेज में हॉकी टर्फ का लोकार्पण किया गया है। यह सुविधा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की तैयारी में मदद करेगी।

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के तहत मंडलीय अस्पताल को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के रूप में विकसित किया गया है, जिससे मरीजों को उन्नत चिकित्सा सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेंगी। वहीं, राजघाट पर बन रहा रेलवे का सिग्नेचर ब्रिज व्यापार और आम जनता की आवाजाही को और आसान बनाएगा। नगर निगम ने शहर की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में भी कदम उठाए हैं, जिससे स्वच्छता और सौंदर्यीकरण दोनों को बढ़ावा मिलेगा। इन सभी योजनाओं से काशी का भविष्य और अधिक उज्ज्वल होने की उम्मीद जताई जा रही है, साथ ही यह शहर विकास और सांस्कृतिक विरासत के संतुलन का उदाहरण बनकर उभर रहा है।

सरकार की विकास योजनाओं का मिल रहा लाभ : काशी में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने और शहर को आधुनिक स्वरूप देने के लिए कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं को गति दी गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई इन परियोजनाओं से शहर के यातायात, शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल सुविधाओं में व्यापक सुधार देखने को मिल रहा है। यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए पांडेयपुर लेन का चौड़ीकरण किया गया है, जिससे शहर के प्रमुख मार्गों पर जाम की समस्या में राहत मिलेगी। इसके साथ ही नगर क्षेत्र के 23 विद्यालयों को स्मार्ट बनाया गया है, जहां आधुनिक तकनीक और डिजिटल संसाधनों के माध्यम से छात्रों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है।

पीएम मोदी ने कई परियोजनाओं की दी सौगात : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी दौरे के दौरान 6332 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं से देश और विशेष रूप से वाराणसी की जनता को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए शिलापट्ट पर योजनाओं का विवरण हिन्दी, संस्कृत और अंग्रेजी भाषाओं में अंकित किया गया था, जो इसकी व्यापकता और महत्व को दशार्ता है।

20 हजार के लिए भाई ने खोदी बहन की कब्र, बैंक पहुंचा कंकाल लेकर

बैंक से पैसे पाने को भाई ने उठाया कंकाल, सिस्टम पर उठे सवाल

उडीसा। 20,000 रुपये की खातिर एक भाई को अपनी बहन की कब्र खोदकर उसका कंकाल बैंक ले जाना पड़ा। बैंकिंग सिस्टम की इस पत्थरदिली ने न केवल एक गरीब को मानसिक रूप से तोड़ा, बल्कि मृत आत्मा की शांति में भी खलल डाला। अब ओडिशा सरकार ने कार्रवाई की बात कही है।

ओडिशा के केंदुझार में एक बेबस भाई द्वारा बहन का कंकाल बैंक ले जाने पर राज्य की राजनीति गरमा गई है। जांच में सामने आया है कि मृतक खाताधारक कालरा मुंडा के खाते में दर्ज नॉमिनी की भी मौत हो चुकी थी। इस तकनीकी पेच को सुलझाने के बजाय बैंक कर्मियों ने भाई को परेशान किया।

अब इस मामले पर मंत्री सुरेश पुजारी ने सख्त नाराजगी जताते हुए जिम्मेदार बैंक अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। दूसरी ओर, बीजेडी और कांग्रेस ने इसे आदिवासियों के प्रति सरकार की संवेदनहीनता बताते हुए घेराबंदी शुरू कर दी है।

क्या है पूरा मामला?

मामला दियानली गांव का है। जीतू मुंडा की बहन कालरा मुंडा की मृत्यु 26 जनवरी को हुई थी। बहन के बैंक खाते में करीब 20,000 रुपये थे। गरीब और अशिक्षित जीतू को पैसों की सख्त जरूरत थी, जिसके लिए वह ओडिशा ग्रामीण बैंक की मालीपोसी शाखा के चक्कर लगा रहा था। जीतू का आरोप है कि बैंक अधिकारियों ने उसकी एक न सुनी। जब उसने बहन की मौत की बात कही, तो बैंक कर्मियों ने कथित तौर पर कहा कि जब तक खाताधारक खुद नहीं आएगा, पैसे नहीं मिलेंगे। जीतू कानूनी प्रक्रियाओं से अनजान था और बैंक ने उसे सही रास्ता नहीं दिखाया।

कंकाल कंधे पर लेकर पहुंचा बैंक

सिस्टम की बेरुखी से तंग आकर जीतू ने सोमवार को अपनी बहन की कब्र खोदी। उसने कंकाल को बोरे में भरा और उसे कंधे पर लादकर सीधे बैंक पहुंच गया। बैंक के भीतर कंकाल देखते ही हड़कंप मच गया और कर्मचारियों के हाथ-पांव फूल गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कंकाल को कब्जे में लिया। बाद में उसे फिर से दफनाया गया। पुलिस के अनुसार, जीतू ही एकमात्र कानूनी वारिस था, लेकिन बैंक अधिकारियों ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाने के बजाय उसे दर-दर भटकने पर मजबूर कर दिया। बड़ा सवाल यह है कि क्या बैंकिंग नियमों की पेचीदगी इतनी बड़ी हो गई है कि एक गरीब को अपनी बहन के अवशेषों की नुमाइश करने पर मजबूर होना पड़े?

टिशू कल्चर तकनीक से गन्ना किसानों की आय बढ़ाने की तैयारी

किसानों को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण, उन्नत किस्मों के विस्तार पर फोकस

लखनऊ। योगी सरकार गन्ना किसानों की आय बढ़ाने और उत्पादन सुधारने के लिए टिशू कल्चर तकनीक को बढ़ावा दे रही है। किसानों को लैब, ग्रीन हाउस और उन्नत बीज उत्पादन का प्रशिक्षण मिलेगा। इससे बेहतर गुणवत्ता के बीज, ज्यादा पैदावार और चीनी उत्पादन में बढ़ोतरी होगी।

योगी सरकार प्रदेश के गन्ना किसानों की आय कई गुना बढ़ाने एवं गन्ना उत्पादन को बढ़ाने के लिए लगातार नवाचार और तकनीकी सुधारों पर जोर दे रही है। इसी के तहत योगी सरकार ने गन्ना अनुसंधान को नया आयाम देते हुए टिशू कल्चर तकनीक के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले बीज उत्पादन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। इस पहल से न केवल गन्ना किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि प्रदेश में चीनी उत्पादन और उत्पादकता को भी मजबूती मिलेगी।

किसानों को दिया जाएगा टिशू कल्चर लैब और ग्रीन हाउस संचालन का प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश काउंसिल ऑफ शुगर केन रिसर्च (यूपीसीएसआर), शाहजहांपुर और बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड (बीसीएमएल), हैदरगढ़, बाराबंकी के बीच एमओयू साइन किया गया है। गन्ना आयुक्त मिनिस्थी एस ने बताया कि एमओयू के तहत प्रदेश में टिशू कल्चर आधारित बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इसमें किसानों, मिल कर्मियों और तकनीकी कर्मचारियों को टिशू कल्चर लैब और ग्रीन हाउस संचालन, प्लांटलेट तैयार करने, हार्डनिंग और खेत में रोपाई जैसी प्रक्रियाओं की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान टिशू कल्चर से जुड़े रसायनों, उपकरणों और विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर भी विशेष जोर रहेगा। प्रशिक्षण के लिए विशेष मॉड्यूल तैयार किए गए हैं, जिनमें टिशू कल्चर की मूलभूत जानकारी से लेकर फील्ड ट्रांसफर तक की पूरी प्रक्रिया शामिल है।

हैंड्स ऑन का भी दिया जाएगा प्रशिक्षण

गन्ना आयुक्त ने बताया कि पारंपरिक विधियों की तुलना में टिशू कल्चर तकनीक से बीज उत्पादन अधिक तेज, शुद्ध और प्रभावी होता है। जहां पारंपरिक तरीके से एक एकड़ में सीमित मात्रा में बीज तैयार हो पाता है, वहीं टिशू कल्चर तकनीक के माध्यम से कम समय में बड़ी मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाले बीज तैयार किए जा सकते हैं। इससे नई उन्नत किस्मों का तेजी से विस्तार संभव होगा और किसानों को बेहतर उत्पादन के अवसर मिलेंगे। एमओयू के तहत यूपीएससीआर और बीसीएमएल मिलकर गन्ने की उन्नत किस्मों के विकास और उनके विस्तार पर काम करेंगे। इसके साथ ही दोनों संस्थाएं मिलकर किसानों को हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण भी देंगी, जिससे वे इस तकनीक को आसानी से समझ सकें और अपने खेतों में लागू कर सकें।

आप नेताओं के साथ राजघाट पहुंचे केजरीवाल महात्मा गांधी को किया नमन

नई दिल्ली। सीबीआई की अपील याचिका पर न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा द्वारा सुनवाई किए जाने पर आपत्ति जताने के बाद केजरीवाल ने फैसला किया कि वह आगे इस मामले में न तो खुद पेश होंगे और न ही उनके कोई वकील जिरह करेंगे। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को पत्र लिखा है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया राजघाट पहुंचे हैं। उनके साथ नेता प्रतिपक्ष आतिशी भी हैं। उन्होंने राजघाट पर महात्मा गांधी को नमन किया। इससे पहले अरविंद केजरीवाल और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने जस्टिस स्वर्ण कांता को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा की अदालत में खुद या वकील के पेश नहीं होने का एलान किया। उन्होंने इसे सत्याग्रह का नाम दिया है।

यह बेहद संवेदनशील मामला है: केजरीवाल : अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'हम अपने देश की न्यायप्रणाली का बहुत सम्मान करते हैं। आज हम जो आजाद घूम रहे हैं तो उसका कारण केवल हमारी न्याय प्रणाली है।

कुछ ऐसी स्थिति पैदा हो गई है जिस कारण हमें यह सत्याग्रह करना पड़ रहा है। हमने सभी बाते उस चिट्ठी में लिखी हैं जो कि हमने जज साहिबा को भेजी है। यह बेहद संवेदनशील मामला है।' सीबीआई की अपील याचिका पर न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा द्वारा सुनवाई किए जाने पर आपत्ति जताने के बाद केजरीवाल ने फैसला किया कि वह आगे इस मामले में न तो खुद पेश होंगे और न ही उनके कोई वकील जिरह करेंगे। केजरीवाल ने न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को चार पन्नों का पत्र लिखकर यह जानकारी दी। पत्र में उन्होंने कहा कि मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर यह निर्णय ले रहा हूं। मैं इसके नतीजों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। हो सकता है कि इससे मेरे कानूनी हितों को नुकसान पहुंचे, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। केजरीवाल ने स्पष्ट किया कि वे न्यायमूर्ति शर्मा के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का अपना अधिकार सुरक्षित रखते हैं।

गांधी के सत्याग्रह का हवाला : पत्र में केजरीवाल ने महात्मा गांधी के सत्याग्रह के सिद्धांत का हवाला दिया और कहा कि यह फैसला केवल इसी मामले तक सीमित है। उन्होंने न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल और न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन के उदाहरण दिए, जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों के वकालत करने के कारण हाईकोर्ट से स्थानांतरण की मांग की थी।

अखिलेश यादव का पुतला जलाने में झुलसी थीं भाजपा विधायक

अस्पताल पहुंच सपा प्रमुख ने जाना हाल

लखनऊ। बहराइच में प्रदर्शन के दौरान पुतला दहन करते समय भाजपा विधायक अनुपमा जायसवाल झुलस गईं, जिसके बाद उन्हें लखनऊ के अस्पताल में भर्ती कराया गया। मंगलवार को अखिलेश यादव उनसे मिलने पहुंचे और जल्द स्वस्थ होने की कामना की। बीजेपी विधायक अनुपमा जायसवाल प्रदर्शन के दौरान घायल हो गईं। जानकारी के अनुसार, 25 अप्रैल को बहराइच में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का पुतला दहन कर रही थीं। इसी दौरान अचानक आग की लपटें तेज हो गईं और वह उसकी चपेट में आ गईं।

इस हादसे में अनुपमा जायसवाल के चेहरे और बाल झुलस गए। घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद लोगों ने उन्हें संभाला और अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ मेदांता में रेफर किया गया था। वहीं, मंगलवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मेदांता अस्पताल पहुंचे। भाजपा विधायक व पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री अनुपमा जायसवाल का हालचाल जाना और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

हम चाहते हैं समाज में सौहार्द की फुहार हो

अकाउंट से लिखा- हम नहीं चाहते हैं कि समाज के बीच आग जले। हम चाहते हैं समाज में सौहार्द की फुहार हो। हमारी सकारात्मक राजनीति की स्वस्थ परंपरा ने हमें यही सिखाया है। इसीलिए हम भाजपा विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल जी से मिलने गये और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करके आएं हैं।

चिकन न बनने पर भड़का पति: पत्नी ने दरांती से उतारा मौत के घाट, तेलंगाना के कामारेड्डी में हुई दर्दनाक मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के कामारेड्डी में डिनर को लेकर हुआ मामूली विवाद खौफनाक वारदात में बदल गया, जहां पत्नी ने कथित तौर पर पति की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

तेलंगाना के कामारेड्डी से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मामूली घरेलू विवाद ने खौफनाक मोड़ ले लिया। 28 वर्षीय कबाड़ी विक्रेता कोडानंदम शिवाजी की कथित तौर पर उसकी पत्नी लक्ष्मी ने सिर्फ इसलिए हंसिए से हत्या कर दी क्योंकि उसने रात के खाने में चिकन नहीं बनाया था। इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई है।

खाने को लेकर शुरू हुआ विवाद, बना जानलेवा

जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 9 बजे शिवाजी ने पत्नी लक्ष्मी से चिकन न बनाने को लेकर झगड़ा शुरू कर दिया। पड़ोस में रहने वाले उनके रिश्तेदार मौके पर पहुंचे और दोनों को शांत कराया। हालांकि, उनके जाने के कुछ देर बाद ही झगड़ा फिर से शुरू हो गया। जैसे-जैसे झगड़ा बढ़ा, एक अन्य रिश्तेदार ने उन्हें शांत कराने की कोशिश की, लेकिन दोनों के बीच बहस जारी रही।

गुस्से में किया जानलेवा हमला

झगड़ा बढ़ने पर लक्ष्मी ने घर में रखी दरांती (हंसिया) उठाई और शिवाजी के गर्दन पर वार कर दिया। हमले के बाद वह जमीन पर गिर पड़ा और सिर में गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, अत्यधिक खून बहने से शिवाजी ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी लक्ष्मी को गिरफ्तार कर लिया है और उसे अदालत में पेश किया जाएगा। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 103(1) के तहत केस दर्ज किया गया है।

परिवार में पहले भी होते थे विवाद

मृतक के बड़े भाई की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। बताया गया है कि शिवाजी और लक्ष्मी की शादी करीब छह साल पहले हुई थी और उनकी दो बेटियां हैं। परिजनों के अनुसार, दोनों के बीच पहले भी अक्सर घरेलू विवाद होते रहते थे और कई बार परिवार के बुजुर्गों को बीच-बचाव करना पड़ा था।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने शिवराज चौहान की तारीफों के पुल बांधे, मामा कहकर किया संबोधित

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में आयोजित कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की जमकर सराहना की और उन्हें केंद्र शासित प्रदेश का 'सच्चा दोस्त और शुभचिंतक' बताया।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई-4) के तहत 3,550 करोड़ की लागत से 330 नई सड़क परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इन परियोजनाओं के तहत करीब 1600 किलोमीटर लंबी सड़कें बनाई जाएंगी, जिससे जम्मू-कश्मीर के 363 दूरदराज इलाकों को लाभ मिलेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शिवराज सिंह चौहान को ह्यमामाह्न कहकर संबोधित किया और कहा कि मध्य प्रदेश के लोग उन्हें इस नाम से पुकारते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार इन परियोजनाओं के लिए मिले फंड का सही और पारदर्शी तरीके से उपयोग सुनिश्चित करेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले डेढ़ साल में जम्मू-कश्मीर को पीएमजीएसवाई के तहत करीब 8,000 करोड़ की परियोजनाएं मिली हैं और आने वाले महीनों में इन पर काम शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि काम की प्रगति से संतुष्ट होने के बाद वे और अधिक परियोजनाओं की मंजूरी के लिए केंद्र से संपर्क करेंगे।

'जिहाद के नाम पर बनाया जा रहा निशाना', मीरा रोड चाकू कांड पर भड़के फणडवीस

मुंबई। मीरा रोड चाकू हमले की जांच अब लोन वुल्फ एंगल पर पहुंच गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आरोपी के घर से संदिग्ध सामग्री मिली है और वह कथित रूप से कट्टर विचारों से प्रभावित था। जांच में दावा है कि उसकी सोच जिहाद के नाम पर एक समुदाय को निशाना बनाने की ओर झुकी थी। महाराष्ट्र के मीरा रोड इलाके में हुए चाकू से हमले के मामले में अब जांच ने गंभीर और बड़ा मोड़ ले लिया है। ऐसे में राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस पूरे मामले को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह मामला लोन वुल्फ यानी अकेले किए गए हमले जैसा लगता है और शुरूआती जांच में आरोपी के घर से कुछ संदिग्ध और आपत्तिजनक सामग्री मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आरोपी के व्यवहार और मिले सबूतों से ऐसा संकेत मिलता है कि वह खुद को कट्टर विचारों से प्रभावित कर चुका था। उन्होंने यह भी बताया कि शुरूआती जांच में सामने आया है कि आरोपी की सोच जिहाद के नाम पर हिंदू धर्म को निशाना बनाने की ओर झुकी हुई थी।

अमेरिका से लौटा था आरोपी

मुख्यमंत्री के अनुसार, आरोपी के घर से कुछ किताबें और संदिग्ध सामग्री मिली है, जो गलत या भ्रामक जानकारी फैलाने वाली हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी पहले अमेरिका में रहता था और हाल ही में भारत लौटा था। फडणवीस ने यह भी कहा कि शुरूआती जांच में पता चला है कि आरोपी जिहाद के नाम पर हिंदू समुदाय को निशाना बनाने की सोच रखता था और इसी मानसिकता के चलते उसने यह हमला किया। उन्होंने आगे बताया कि इस पूरे मामले की जांच सिर्फ आरोपी तक सीमित नहीं रहेगी। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाएंगी कि क्या इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क या साजिश जुड़ी हुई है। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि जांच का दायरा सिर्फ एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह भी देखा जाएगा कि आरोपी किस तरह से प्रभावित हुआ और क्या इसके पीछे कोई और लोग या संगठन शामिल हैं। बता दें कि यह घटना सोमवार को उस समय हुई जब 31 वर्षीय आरोपी, जो पहले अमेरिका में लंबे समय तक रह चुका था, ने मीरा रोड के नया नगर इलाके में एक निर्माण स्थल पर दो सुरक्षा गार्डों पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में दोनों गार्ड राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो सेन गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, घटना से पहले किसी बात को लेकर बहस हुई थी, जो बाद में हिंसा में बदल गई। आरोप है कि हमलावर ने धार्मिक बात को लेकर गार्डों पर दबाव बनाया और मना करने पर हमला कर दिया। हालांकि पुलिस अभी इसकी पुष्टि सभी तथ्यों के आधार पर कर रही है।

हमले के बाद इलाके में बढ़ा तनाव

हमले के बाद इलाके में तनाव फैल गया और धार्मिक एंगल को लेकर अफवाहें भी तेजी से फैलने लगीं, जिससे स्थिति और संवेदनशील हो गई। हालात को नियंत्रित करने के लिए तुरंत पुलिस और ATS की टीम मौके पर पहुंची। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी को करीब तीन घंटे के अंदर ही पकड़ लिया गया। पुलिस ने इलाके के CCTV फुटेज की मदद से उसे ट्रैक किया और गिरफ्तार किया। गौरतलब है कि अब यह मामला महाराष्ट्र एटीएस के साथ-साथ राष्ट्रीय जांच एजेंसी को भी सौंप दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि जांच सिर्फ आरोपी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी देखा जा रहा है कि क्या इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क या साजिश मौजूद है। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही हैं और पुलिस का कहना है कि असली मकसद सामने आने के बाद ही पूरी तस्वीर साफ हो पाएगी।

प्राइवेट बस में धमाका या हादसा, अब बैलिस्टिक जांच से खुलेगा राज

भिवानी। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार ने हालात का जायजा लिया और बताया कि घटना के असली कारणों का पता लगाने के लिए बैलिस्टिक जांच टीम की मदद ली जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहन जांच की जा रही है

बवानीखेड़ा के गांव मिलकपुर में सोमवार रात करीब आठ बजे प्राइवेट बस में लगी भीषण आग ने दो लोगों की जान ले ली, जबकि करीब 10 यात्री गंभीर रूप से झुलस गए। मृतकों में एक सीआईडी अधिकारी सुनील कुमार बताए जा रहे हैं, जबकि दूसरा व्यक्ति हिसार में मजदूरी करने वाला था। दोनों की पहचान की आधिकारिक पुष्टि अब डीएनए जांच के बाद ही हो सकेगी। हादसे के बाद प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण बस का टायर फटना माना जा रहा था। आशंका जताई गई कि टायर का टुकड़ा तेल के टैंक से टकराया, जिससे टैंक फट गया और आग भड़क उठी। हालांकि, पुलिस जांच में तेल का टैंक सही हालत में मिलने से यह कयास कमजोर पड़ गया है। ऐसे में अब घटना को लेकर ब्लास्ट (विस्फोट) की आशंका गहरा गई है।

पत्नी की हत्या के मामले में दोषी को मिली जमानत, कोर्ट ने उम्रकैद की सजा पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक व्यक्ति की उम्रकैद की सजा पर फिलहाल रोक लगा दी है। उसे अपनी पत्नी की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। कोर्ट ने उसे जमानत भी दे दी है।

यह मामला मध्य प्रदेश का है। व्यक्ति का नाम शिवेंद्र है। उसने हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने तब तक उसकी सजा को फिलहाल रोकने से मना कर दिया गया था, जब तक उसकी अपील पर सुनवाई नहीं होती। शिवेंद्र को निचली अदालत ने अपनी पत्नी की हत्या के मामले में दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा दी थी। इस मामले में उसके साथ एक और आरोपी भी था।

संबंध विच्छेद

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं बाबू खां पुत्र अल्लाह महर निवासी मकान नंबर 20 ऋषि मार्केट थाना व तहसील लोनी का रहने वाला हूं मैंने अपने पुत्र जाहिद एवं पुत्रवधू हिना उर्फ सोनी को गलत चाल चलन के कारण अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर पारिवारिक संबंध विच्छेद कर लिए हैं भविष्य में अपने कृत्यों के यह दोनों स्वयं जिम्मेदार होंगे इनसे हमारा कोई लेना देना नहीं है

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली | बुधवार 29 अप्रैल -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

करंट क्राइम ट्वीट का करंट

Jaikamal Agarwal
5h ·

कम में खुश रहो तो, खुशी में कमी नहीं होगी..!!

#jaikamal_bjp #jaikamalagarwalbjp #highlight #followers #everyone #bjp

कैप्टेन-टीम में बढ़ता 'ट्यूनिंग एरर'

क्षेत्र-प्रदेश-महानगर संगठन की चुप्पी पर सवाल

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। संगठन को किसी भी दल की रीढ़ माना जाता है–यही अनुशासन तय करता है और यही मतभेदों को सुलझाने की ताकत रखता है। लेकिन शहर की एक अहम इकाई में इन दिनों कैप्टेन और टीम मेम्बर्स के बीच तालमेल को लेकर जो संकेत मिल रहे हैं, उन्होंने सियासी हलकों में चर्चा तेज कर दी है। अंदरखाने यह माना जा रहा है कि संवाद की कमी अब टकराव का रूप ले रही है।

हाल के घटनाक्रमों में कई मौके ऐसे आए जब अपनी ही टीम के लोग आमने-सामने नजर आए। एक अहम चयन प्रक्रिया के दौरान माहौल बिगड़ने की चर्चा रही–प्रतीकात्मक नाराजगी ने अनुशासन पर सवाल खड़े किए। इसके बाद अलग-अलग मंचों पर असहज स्थितियां भी बनीं, जिनके वीडियो और बयान दूर तक गए।

इसी क्रम में टीम मेम्बर मैडम चौधरी के साथ हुई नोंकझोंक, मिस्टर डागर को लेकर कही गई बातों की चर्चा, और वरिष्ठ चेहरे मिस्टर शर्मा का विरोध के रूप में बैठना–इन सबने संकेत दिए कि अंदरूनी ट्यूनिंग ठीक नहीं चल रही। संगठनात्मक जिम्मेदारियों से जुड़े रहने के बावजूद उनके स्तर पर भी खटास की बात सामने आई। मौजूदा व्यवस्था में अहम भूमिका निभा रहे मिस्टर चौधरी के साथ तालमेल को लेकर भी सवाल उठे हैं। वहीं टीम मेम्बर मिस्टर गोयल का यह कहना कि मुलाकात की कोशिश के बावजूद बात नहीं हो पाई, अपने आप में बहुत कुछ इशारा करता है।

क्षेत्र-प्रदेश-महानगर संगठन की भूमिका पर निगाहें

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि ऐसे हालात में संगठन के तीनों स्तर–क्षेत्र, प्रदेश और महानगर–की भूमिका सबसे अहम होती है। आमतौर पर ऐसे मामलों में यही स्तर मध्यस्थ बनकर संवाद स्थापित करते हैं, लेकिन फिलहाल इन तीनों स्तरों पर स्पष्ट हस्तक्षेप नजर नहीं आया है। इससे यह धारणा बन रही है कि या तो मामला अभी आंतरिक स्तर पर सुलझाने की कोशिश में है, या फिर हस्तक्षेप में देरी हो रही है। वरिष्ठ लोगों का कहना है कि अगर सभी के बीच कहीं न कहीं गतिरोध है, तो उसका कारण सामने आना चाहिए और समाधान भी क्षेत्र, प्रदेश और महानगर संगठन के समन्वय से ही निकलना चाहिए।

चुनाव से पहले संदेश का सवाल

चुनाव ज्यादा दूर नहीं हैं और इस तरह के अंदरूनी मतभेद सार्वजनिक धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। विरोधियों को माहौल बनाने का मौका मिलना स्वाभाविक है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि कैप्टेन और टीम के बीच संवाद बढ़े और क्षेत्र, प्रदेश व महानगर संगठन समय रहते स्थिति संभाले।

फिलहाल सवाल यही है–क्या संगठन के ये तीनों स्तर इस 'ट्यूनिंग एरर' पर हस्तक्षेप करेंगे, या खामोशी ही सबसे बड़ा संदेश बनी रहेगी?

तीसरी मंजिल से गिरकर दो साल के मासूम की हुई मौत

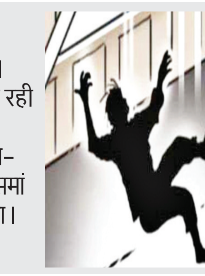

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद की लोनी कोतवाली क्षेत्र की प्रेम नगर कॉलोनी में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। मकान की तीसरी मंजिल के छज्जे से गिरकर दो साल के मासूम अबूजा की मौत हो गई। घटना के समय बच्चे की मां छत पर कपड़े धो रही थी। परिजनों ने इसे हादसा मानते हुए पुलिस कार्रवाई और पोस्टमार्टम से इन्कार कर दिया। मूलरूप से हरदोई जिले के पिहानी गांव निवासी रिजवान परिवार के साथ लोनी की प्रेम नगर कॉलोनी में किन्ये के मकान में रहते हैं। वह दैनिक मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। मंगलवार को वह रोज की तरह काम पर गए थे। घर पर पत्नी आसमां और बच्चे मौजूद थे। दोपहर करीब डेढ़ बजे आसमां मकान की छत पर कपड़े धो रही थी। इसी दौरान सबसे छोटा बेटा अबूजा खेलते-खेलते सीढ़ियों के रास्ते तीसरी मंजिल पर पहुंच गया। खेलने के दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ा और वह छज्जे से सीधे नीचे सड़क पर जा गिरा।

बीट व्यवस्था पर सख्त पहरा, नए रंगरूट आए मैदान में

कमिश्नरेट में अपराधियों की अब खैर नहीं

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट में कानून-व्यवस्था को और धार देने के लिए बीट व्यवस्था को अब पहले से ज्यादा मजबूत और आक्रामक रूप में लागू किया जा रहा है। सीपी जे रविन्दर गौड के निर्देश पर जारी नई दिशा-निर्देशों में साफ कर दिया गया है कि अब हर बीट क्षेत्र में पुलिस की पकड़ मजबूत होगी और अपराधियों की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जाएगी। पुलिस प्रशिक्षण पूरा कर चुके नए आरक्षियों को थानों में तैनात कर दिया गया है। इन्हें बीट पुलिस अधिकारी के सहायक के रूप में मैदान में उतारा गया है, ताकि जमीनी स्तर पर पुलिस व्यवस्था को और ज्यादा प्रभावी बनाया जा सके। थाना प्रभारियों द्वारा सभी नए पुलिसकर्मियों को बीट व्यवस्था और शिष्टाचार संवाद नीति की पूरी जानकारी दी गई है, साथ ही आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है।

बीट उपनिरीक्षक और बीट पुलिस अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि हिस्ट्रीशीटर और सक्रिय अपराधियों की लगातार निगरानी करें, जेल से छूटे अपराधियों पर नजर रखें और बीट क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर खुफिया सूचनाएं जुटाएं। खासतौर पर गो-तस्करी, जुआ-सट्टा, वेश्यावृत्ति, अवैध शराब, नशीले पदार्थों का कारोबार, अवैध हथियार, अवैध खनन और बच्चों की तस्करी जैसे गंभीर अपराधों पर कड़ी नजर रखने को कहा गया है। इसके अलावा नागरिक चार्टर के तहत मिलने वाली सेवाओं का समयबद्ध सत्यापन, शिकायतों की निष्पक्ष जांच और हर सूचना को उच्च अधिकारियों तक तुरंत पहुंचाना अनिवार्य किया गया है। बीट स्तर पर समाज के सम्मानित लोगों, वरिष्ठ नागरिकों और पुलिस सहयोगियों के साथ संवाद समूह बनाकर सूचना तंत्र को भी मजबूत किया जा रहा है।

वहीं, शिष्टाचार संवाद नीति के तहत पुलिसकर्मियों को जनता से बातचीत के दौरान विनम्र, संवेदनशील और पेशेवर व्यवहार अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। स्पष्ट संदेश है, अब पुलिस सिर्फ सख्त ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार और जवाबदेह भी नजर आएगी। गाजियाबाद पुलिस का यह नया अभियान साफ संकेत दे रहा है कि अब अपराधियों के लिए कोई राहत नहीं होगी, जबकि आम जनता को सुरक्षा और सम्मान दोनों मिलेगा।

कार्यकारिणी बैठक ना होने से पार्षद हैं हताश!

उन्हें चिंता इस बात की कि कैसे होगा विकास

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। निगम कार्यकारिणी बैठक नहीं हो रही है। इधर तेजी से समय बीत रहा है और पार्षदों को अब क्षेत्र के विकास की चिंता सता रही है। वो लगातार मांग कर रहे हैं और कार्यकारिणी बैठक ना होने से पार्षद हताश हैं। पार्षदों ने निगम में बैठक की और अब उन्होंने निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी के नेतृत्व में आस्था जताते हुए मेयर और नगरायुक्त को संयुक्त पत्र भेजा है। इस पत्र में कार्यकारिणी की बैठक कराने के संबंध में कहा गया है। बड़ी बात ये है कि कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी के लेटर हेड पर दिये गये इस प्रार्थना पत्र में एक दर्जन से ज्यादा पार्षदों के हस्ताक्षर और मुहर है।

जिनमें निगम पार्षद पूनम सिंह, निगम पार्षद नीरज गोयल, पूर्व कार्यकारिणी उपाध्यक्ष राजीव शर्मा सहित कई पार्षदों के हस्ताक्षर हैं। पार्षदों ने मेयर ओर नगरायुक्त को संयुक्त रूप से भेजे गए इस पत्र में कहा है कि कार्यकारिणी की बैठक और सदन की बैठक समय पर ना होने के कारण बजट पर चर्चा नहीं हो पा रही है। नतीजा ये है कि सभी वार्डों में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

सभी पार्षदों को जनता के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। पार्षदों ने अपने पत्र में ये मांग की है कि उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम के अनुसार कार्यकारिणी की बैठक कराने की कृपा करें। पार्षद अब हताश है और उनकी चिंता भी अब वाजिब है और अब वो निगम कार्यकारिणकी की बैठक को लेकर एकजुट हो रहे हैं।

रुक गए काम, क्या दें जनता को जवाब

करंट क्राइम। पार्षदों की चिंता और बढ़ गई है क्योंकि कई वार्डों में विकास पर ब्रेक लग गया है। ब्रेक उन वार्डों में ज्यादा लगा है जहां कमल खिला है। चिंता ये है कि लोग विकास ना होने का कारण पूछ रहे हैं और पार्षदों को खुद पता नहीं कि कोटा स्वीकृत होने के बाद निरस्त क्यों हुआ। पार्षद अब इस बात को लेकर परेशान हैं। जनता सवाल पूछ रही है और जवाब किसी के पास नहीं है।

आईजीआरएस व्यवस्था पर सवाल, बिना जांच दिए जा रहे जवाब

खेल के मैदान में खड़ा कर दिया बिजली का खंभा : आकाश वशिष्ठ

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में जन शिकायत निस्तारण प्रणाली (आईजीआरएस) की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। उच्च न्यायालय के अधिवक्ता एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े राष्ट्रीय संयोजक आकाश वशिष्ठ ने नगर निगम और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की कार्यशैली पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में भारी लापरवाही बरती जा रही है।

आकाश वशिष्ठ का आरोप है कि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मुख्य सचिव स्तर से निर्देशित आईजीआरएस शिकायतों पर भी अधिकारी गंभीरता नहीं दिखा रहे। बिना फील्ड विजिट और स्थलीय निरीक्षण के ही रिपोर्ट लगा दी जाती है, जो वास्तविकता से कोसों दूर होती है। उन्होंने इसे मनगढ़ंत जवाब बताते हुए कहा कि इससे पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सबसे चौंकाने वाला मामला राजनगर के रामलीला मैदान का सामने आया है, जहां खेल के मैदान के बीचों-बीच बिजली का खंभा खड़ा कर दिया गया है। वशिष्ठ ने कहा कि यह न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि बच्चों और स्थानीय लोगों की सुरक्षा के साथ सीधा खिलवाड़ है। किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

उधर उन्होंने नगर निगम की टेंडर प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए अधिकारियों पर मिलीभगत का आरोप लगाया। उनका कहना है कि राजनीतिक दबाव और शॉर्टकट के चलते योजनाओं को बिना मानकों के लागू किया जा रहा है, जिससे सार्वजनिक सुविधाएं जर्जर होती जा रही हैं। आकाश वशिष्ठ ने यह भी स्पष्ट किया कि प्लेग्राउंड के लेआउट में मनमाने बदलाव नहीं किए जा सकते, लेकिन इसके बावजूद नियमों की अनदेखी कर निर्माण और बदलाव किए जा रहे हैं। उन्होंने कई दस्तावेजों और शिकायतों का हवाला देते हुए कहा कि नगर निगम की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। इसके अलावा, नगर निगम द्वारा मरम्मत और पुताई के नाम पर खर्च की जा रही रकम पर भी उन्होंने पारदर्शिता की मांग उठाई। उनका कहना है कि इन कार्यों में भी अनियमितताओं की आशंका है।

आकाश वशिष्ठ ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इन मामलों में निष्पक्ष जांच और कार्रवाई नहीं हुई, तो वह उच्च स्तर पर शिकायत करने को मजबूर होंगे। इस दौरान राजीव अग्रवाल, अवधेश शर्मा, मीनू सिंह समेत कई स्थानीय लोग भी मौजूद रहे, जिन्होंने इन मुद्दों पर प्रशासन से जवाबदेही की मांग की।

दिखाई देने लगी है मुरादनगर में दावेदारी की दीवार

त्यागी दावेदार के हो गए वॉल पेंटिंग से दीदार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। रणनीतिक तैयारी केवल सियासी दल नहीं कर रहे हैं बल्कि अब दावेदार भी मैदान में आ गए हैं। जहां भाजपा सबसे पहले चुनावी फौज के साथ ट्रेनिंग कैंप चला रही है वहीं उसके दावेदारों ने भी अब दीवारों पर दीदार करा दिये हैं। दावेदारी की पहली दीवार मुरादनगर विधानसभा में दिखाई दी है, यहां त्यागी दावेदारी से आगाज हुआ है। कहा ये जा रहा है कि यहां अभी और त्यागी दावेदार आएंगे और चुनाव का टिकट त्यागी फैक्टर के निकट रहेगा। फिलहाल मुरादनगर से दावेदारी आ गई है। यहां पर भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य संदीप त्यागी ने दीवारों से दावेदारी का इजहार किया है। मुरादनगर में वैसे भी त्यागी फैक्टर काम करता है, यहां से लगातार दो बार अजीतपाल त्यागी विधायक है और दोनों बार उन्होंने संघर्ष से नहीं बल्कि बड़े अंतराल से जीत हासिल की है। ऐसे में ये सीट त्यागी फैक्टर को सपोर्ट करती है। संदीप त्यागी ने अपने जन्मदिन पर फेसबुक लाइव आकर दावेदारी की थी और अब वो दीवारों से ऐलान कर रहे हैं। दीवारें पेंट होनी शुरू हो गई हैं। संदीप त्यागी बता रहे हैं कि घर-घर भाजपा, जन-जन भाजपा। वो ये भी बता रहे हैं कि इलाज की चिंता नहीं। फिलहाल सबको ये भी पता है कि दीवारों की ये पुताई दावेदारी का इलाज बहुत बढ़िया कर देती है। दीवारों के पुराने नाम बता देंगे और अब नए नाम है, नई दावेदारी है।

सुहागिनों को लूटने वाले बदमाशों की पुलिस ने हुई मुठभेड़

दो बदमाश गिरफ्तार, तीसरा फरार

वेव सिटी पुलिस ने खोला केस अवैध तमंचे और एफ15 बाइक बरामद

गाजियाबाद (करंट क्राइम): थाना वेव सिटी पुलिस ने क्षेत्र में हुई लूट की वारदात का खुलासा करते हुए दो शातिर बदमाशों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनका एक साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीना गया कुंडल, अवैध हथियार और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की है।

एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल के अनुसार वेव सिटी क्षेत्र निवासी एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि तीन अज्ञात युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर उनके कान का कुंडल छीनकर फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीमों का गठन किया गया और आरोपियों की तलाश शुरू की गई। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान की और मंगलवार को चेकिंग के दौरान संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीपक नागर और सचिन नागर निवासी ग्राम कचेडा थाना बादलपुर जनपद गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है।

पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने अपने साथी अंकित जाटव के साथ मिलकर 25 अप्रैल की सुबह ग्राम इकला में एक महिला से कुंडल लूटा था। पुलिस अब फरार आरोपी अंकित जाटव की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। एसओ मानवेंद्र सिंह ने बताया है कि पीली धातु का एक कुंडल, एफ15 मोटरसाइकिल, दो अवैध तमंचे (.315 बोर और तीन खोखा कारतूस और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। तो पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है और जल्द ही फरार आरोपी को भी गिरफ्तार कर पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।

मंच पर देखकर उस महिला नेता को उठ गए किसके दिल में शोले

किसने कहा- पार्टी वाले ना समझें हम कार्यकर्ता को इतना भी भोले

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। एक राजनीतिक दल में घमासान का चर्चा गूंज रहा है। पार्टी दफ्तर पर लेडी जंग का रंग सबने देखा। हाथों को मरोड़ा गया और जुबान से शोले गरज उठे। जब राजनीतिक दफ्तर पर ऐसा हुआ ततो उसकी गूंज दूर तक गई। सियासत में वैसे तो विरोध होता है, आपस में एक-दूसरे के नारे भी लगते हैं, लेकिन एक -दूसरे के चरित्र से लेकर पार्टी के पवित्र दफ्तर पर विचित्र लड़ाई पहली बार देखने में आई। आमतौर पर मेल किरदारों में ये तकरार सुनी है, मगर फीमेल घमासान पहली बार हुआ है।

चर्चा दूर तक गई है और संगठन को तय करना है कि कोई सही है कौन गलत है। क्योंकि इस घमासान के बाद पार्टी के भीतर ये चर्चा भी चली कि ये पार्टी का दफ्तर है कोई जंग का मैदान नहीं है। यहां संगठन को एक्शन जरूर लेना चाहिए। सवाल किसी के सही-गलत होने का नहीं है सवाल अनुशासन के पालन का है और कार्यवाही ऐसी होनी चाहिए कि फिर ऐसा सनी रिपीट ही ना हो।

इंतजार इसी बात का हो रहा है कि एक्शन का फरमान प्रदेश से आएगा, क्षेत्र से आएगा या महानगर वाले ही लेटर जारी करेंगे। लेकिन इंतजार के इन पलों में बड़ा झटका उन महिला कार्यकताओं को लगा जो किसी कार्यवाही का इंतजार कर रहे हैं। दरअसल एक बड़ा तबका यहां किसी के पक्ष या विपक्ष में नहीं है लेकिन वो ये चाहते हैं कि इस तरीके की घटनाएं दोबारा ना हों।

क्योंकि चेहरे लड़ते और किरदार पार्टी का बदनाम होता है। इधर कोई एक्शन नहीं है और उधर सीन कुछ ऐसा हो गया जिसे जले पर नमक भी कह सकते हैं। अब बर्न पे साल्ट वाला सीन हुआ है तो ये सोचने की बात है कि फाल्ट किसका कहे। दरअसल फाइटिंग फिल्म के एक किरदार ने एक फोटो अपलोड किया। इस फोटो में एक चेहरा दूसरे जिले में मंच पर है और मंच पर भी विशिष्ठ अतिथि के रूप में है। एक लॉबी ये कह सकती है कि यह कार्यक्रम दूसरे जिले में है और हमें इससे क्या लेना देना है लेकिन दूसरी लॉबी इसके जस्ट उलट है। ये फोटो उनके दिल में शोले उठा रहा है।

क्योंकि सब जानते हैं कि मंच को लेकर ही तो सारा पंच हुआ है और फिर जिन पर कार्यवाही होनी चाहिए अगर वो दूसरे जिलों में विशिष्ठ अतिथि के रूप में मंच पर नजर आएंगे तो जाहिर है ये पल इधर वालों के दिल में शोले ही उठाएंगे। चर्चा इसी फोटो को लेकर चल रही है , चर्चा दोनों तरफ है।

इस दोनों तरफ के बीच में एक तीसरी तरफ का किरदार भी सामने आया है। ये किरदार न्यूट्रल गियर का है। उनका कहना है कि मुद्दा मंच, माइक, माला का नहीं है मुद्दा तो जुबान से निकली उस वर्णमाला है कि जिसने सारे अनुशासन को ही धो डाला है। अब सब एक्शन का इंतजार कर रहे हैं और किस्से के किरदार दूसरे जिलों में मंच पर विशिष्ठ अतिथि वाले फोटो साझा कर रहे हैं। तीसरी लॉबी ये कह रही है कि इसका मतलब तो ये हुआ कि जो मेहनत कर रहे हैं उन्हें इग्नोर किया जाएगा और जो अनुशासन भंग करेंगे उन्हें कुछ नहीं कहा जाएगा।

हालांकि पार्टी के ही कुछ चेहरों का ये भी कहना है कि मामला दूसरे जिले का है तो हमें उनसे कोई शिकायत नहीं है लेकिन हमें इंतजार इस बात का है कि अनुशासनहीनता पर कार्यवाही होनी चाहिए। वो मंचों के फोटो डालकर जो संदेश देना चाह रहे हैं, वो दे रहे हैं। वो चाहते हैं कि संगठन कम से कम समय रहते ध्यान दें।

किस पार्षद के हाथ लग गया है जादुई चिराग

उसने कहा- अगर लाइट चाहिए तो पत्र लेकर आइए मेरे पास

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वैसे तो नगर निगम में सौ पार्षद हैं और हर पार्षद की चिंता अपने वार्ड के विकास को लेकर है। किसी की कहानी ये है कि उसके वार्ड में पानी नहीं है। किसी की फाइट इस बात को लेकर है कि उसके वार्ड में खंबों पर लाइट नहीं है। कोई इसी बात पर कड़क हो जाता है कि उसके वार्ड की सड़क टूटी है। किसी पार्षद को लगता है कि अधिकारी उसकी नहीं सुन रहे।

कोई सदन में अपनी बात कहता रह जाता है, लेकिन इस समय लाइमलाइट में वो त्यागी पार्षद हैं जो लाइट का ऐलान कर रहे हैं। ये भगवा त्यागी पार्षद सभी पार्षदों को ये कह रहे हैं कि अगर किसी को भी लाइट की समस्या है तो हमसे संपर्क करें। संपर्क का तरीका भी बता दिया है कि केवल जुबानी संपर्क से काम नहीं चलेगा पत्र के साथ हमारे पास आएं, लाइट हम दिलाएंगे। पार्षद परेशान हैं कि हमें भी जनता ने चुका है, हम भी नगर निगम के पार्षद हैं और हमारा भी कोटा है लेकिन इन पार्षद को ऐसा कौन सा जादुई चिराग हाथ लग गया है कि ये ऐलान कर रहे हैं कि लाइट हम दिलाएंगे, क्या कोई जादू की छड़ी हाथ लग गई है। ऐसा क्या फॉमूर्ला है। पार्षद तो सोच ही रहे हैं, लेकिन इन त्यागी पार्षद ने नगर निगम में बाकायदा पार्षदों के बीच ये ऐलान किया।

जब नगर निगम के सदन में पार्षद लंच पर थे तब इन्हीं पार्षद ने फिर से ऐलानिया पंच किया, जिन्हें लाइट लगवानी हो वो हमसे संपर्क करें।

अब भोजन करते-करते पार्षद फिर हैरान कि आखिर त्यागी जी के पास ऐसा कौन सा प्लान है जो हमें लाइट नहीं मिल रही और इनके कहने पर मिलेगी। इसके बाद एक बार फिर भगवा त्यागी पार्षद ने बंद कमरे में इसी बात के रिपीट किया। फिर कहा कि अगर वार्ड में अंधेरा है तो हमें बताएं हम लगवा देंगे लाइट।

भगवा पार्षद के इस ऐलान के बाद फूल वाले पार्षद भी हैरान है कि आखिर हमारे दल के पार्षद के पास ऐसा कौन सा बल है, ऐसा कौन सा प्लान है कि लाइट लग जाएगी और ऐसा कौन सा पत्र है जो हमारे लिखने से काम नहीं चलेगा और इन्हें देने से काम हो जाएगा।

संपादकीय

बंगाल में बदलाव की आहट

राजनीति विज्ञान का एक सीधा नियम है कि जहां अनौपचारिक शक्ति संरचनाएं और सिंडिकेट हावी होते हैं, वहां राज्य की औपचारिक क्षमता पूरी तरह कमजोर हो जाती है। यही स्थिति बंगाल में निवेश और विकास की सबसे बड़ी बाधा बन गई है। जो बंगाल कभी औद्योगिक उत्पादन का प्रमुख केंद्र था, वह आज रोजगार देने में काफी पिछड़ चुका है। जब भी कोई नया कारखाना या उद्यम शुरू होता है, स्थानीय बाहुबली उसमें दखल देते हैं। इससे निवेशक पीछे हटने पर मजबूर हो जाते हैं। जनता अब ऐसा तंत्र चाहती है, जो पारदर्शी हो और औपचारिक अर्थव्यवस्था को मजबूती दे। यह चुनाव एक गहरे सामाजिक और पीढ़ीगत बदलाव का भी गवाह बन रहा है। नई पीढ़ी राजनीतिक निष्ठा के बजाय अवसरों के आधार पर प्राथमिकताएं तय कर रही है। आज का युवा मतदाता पारंपरिक झंडों और नारों का मोहताज नहीं है। उसे एक ऐसा तंत्र चाहिए जिस पर वह विश्वास कर सके। वह बेंगलुरु, पुणे या दिल्ली जैसी सुविधाओं और अवसरों को अपने ही राज्य में देखना चाहता है। जब यह महत्वाकांक्षा पूरी नहीं होती तो उसका गुस्सा सत्ता के खिलाफ मुखर होता है। राष्ट्रवाद, पारदर्शिता और विकास की राजनीति का जो नया विकल्प राज्य में उभर रहा है, वह इसी युवा वर्ग की आकांक्षाओं को स्वर देता दिख रहा है। राजनीति में नागरिक और सरकार के रिश्ते के मायने भी तेजी से बदल रहे हैं।

सरकार की मुफ्त राशन और नकद सहायता जैसी योजनाओं ने समाज के निचले तबके को फौरी राहत जरूर दी है, लेकिन अर्थशास्त्र और राजनीति का यह अनुभव बताता है कि एक सीमा के बाद कल्याणकारी योजनाओं का राजनीतिक प्रभाव घटने लगता है। खासकर तब, जब वे जनता की नई आकांक्षाओं को संतुष्ट नहीं कर पातीं। जब सरकार नागरिकों को स्थायी रूप से केवल लाभार्थी मानकर चलने लगती है तो बुनियादी विकास पीछे छूट जाता है। यह निर्भरता समाज को आर्थिक रूप से अपने पैरों पर खड़ा नहीं होने देती। बंगाल का मतदाता अब कुछ सौ रुपयों की मासिक सहायता से आगे पक्का रोजगार और अपनी मेहनत का सम्मानजनक मोल चाहता है। सशक्तीकरण का यही माडल अब बंगाल के विमर्श में जगह बनाता प्रतीत हो रहा है।

जनसांख्यिकी और राष्ट्रीय सुरक्षा ऐसी चिंताएं बन चुकी हैं, जिन्हें अब किसी भी कीमत पर अनदेखा नहीं किया जा सकता। सीमावर्ती जिलों में घुसपैठ के आरोप और उनसे जुड़ी चिंताओं ने राज्य की सामाजिक पहचान पर एक बड़ी बहस छेड़ दी है। संदेशखाली जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। सत्ता के करीब माने जाने वाले स्थानीय बाहुबलियों ने जिस प्रकार महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाई, उसने बंगाली भद्रलोक और ग्रामीण समाज को भीतर तक आहत किया। यह एक विशेष प्रकार की तुष्टीकरण की राजनीति का सीधा नतीजा है। राज्य का एक वर्ग कह रहा है कि इस तरह की नीतियों में कानून के समान शासन की पूरी तरह अनदेखी हो रही है।

रोचक तथ्यों का करंट

- दुनियाभर में सभी उम्र के 350 मिलियन लोग अवसाद से ग्रस्त हैं।
- मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी समस्याओं के लगभग 30% लोग भी अवसाद से पीड़ित हैं।
- पुरुषों की तुलना में महिलाओं में लगभग दो गुणा अधिक होने की वजह से प्रमुख अवसाद से पीड़ित हैं।
- जिन लोगों में से 15% अवसाद से ग्रस्त होते हैं, वे हर साल अपनी जान लेते हैं।
- अवसाद के कारण आपको सामान्य रूप से 3 से 4 गुना अधिक सपने आते है।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के मुताबिक, 6% से अधिक बच्चे अवसाद से ग्रस्त हैं और उनमें से 4.9% की बड़ी अवसाद है।
- गंभीर अवसाद कोशिकाओं में बुढ़ापे की प्रक्रिया को बढ़ाकर हमें जैविक रूप से अधिक उम्र का बना सकता है।
- अवसाद के लगभग 80% पीड़ित उपचार प्राप्त नहीं कर रहे हैं।
- हास्य कलाकारों और हास्यास्पद लोगों पर किए गए शोध से पता चला है कि वे आमतौर पर औसत से अधिक उदास हैं।

उतार-चढ़ाव के बाद टूटा बाजार

सेंसेक्स 417 अंक गिरा, निफ्टी 24000 के नीचे पहुंचा

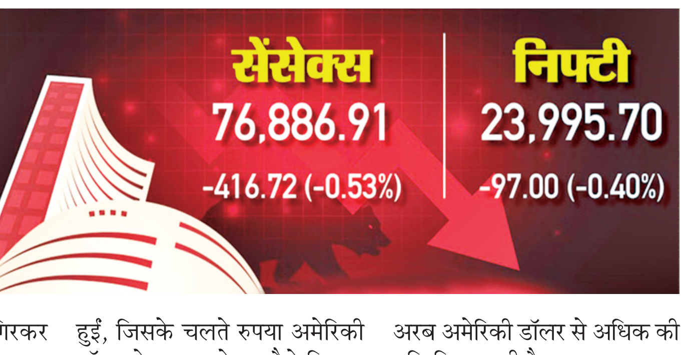

नई दिल्ली। सेंसेक्स 417 अंक नीचे बंद हुआ। निफ्टी 24 हजार अंक के नीचे। एक्सिस बैंक में 3% और एचसीएल टेक में 2% की गिरावट आई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 416.72 अंक गिरकर 76,886.91 पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 97 अंक गिरकर 23,995.70 पर आ गया।

रुपया डॉलर के मुकाबले 41 पैसे टूटकर 94.56 पर बंद हुआ

रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 41 पैसे गिरकर 94.56 पर बंद हुआ। मंगलवार को कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पूंजी के निरंतर बहिर्वाह के कारण निवेशकों की भावनाएं आहत हुईं, जिसके चलते रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 41 पैसे गिरकर 94.56 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि चालू खाता घाटे (सीए) में संभावित वृद्धि और अस्थिर पूंजी प्रवाह को ध्यान में रखते हुए, रुपया पहले ही काफी तेजी से कमजोर हो चुका है। इसके अलावा, विदेशी निधियों की लगातार निकासी ने रुपये पर दबाव डाला, क्योंकि इस साल अब तक एफआईआई ने भारतीय इक्विटी से 19 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि निकाल ली है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.35 पर खुला, फिर इसमें गिरावट आई और यह दिन के दौरान 94.58 के निचले स्तर पर पहुंच गया, और अंत में 94.56 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 41 पैसे की गिरावट है। सोमवार को रुपया डॉलर के मुकाबले सिर्फ एक पैसे की बढ़त के साथ 94.15 पर बंद हुआ।

भारतीय कंपनियों को मिला तेल-गैस भंडार

ईरान में जंग के बीच ऊर्जा सुरक्षा को नया सहारा

नई दिल्ली। लीबिया में मिली यह नई तेल और गैस खोज भारत के लिए केवल एक व्यावसायिक सफलता नहीं, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक बड़ी और राहत देने वाली खबर सामने आई है।

लीबिया में भारतीय कंपनियों को तेल और गैस का नया भंडार मिला है, जिसे देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में इस खोज की जानकारी दी है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी इस उपलब्धि को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कंसोर्टियम को बधाई दी है और भविष्य में इस संसाधन के बेहतर उपयोग की उम्मीद जताई है।

गौरतलब है कि सरकार घरेलू कच्चे तेल उत्पादन को बढ़ाने पर भी लगातार काम कर रही है। लक्ष्य है कि 2030 तक उत्पादन को मौजूदा लगभग 29 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़ाकर 35 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंचाया जाए, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो सके।

लीबिया के गदामेस बेसिन में बड़ी खोज

यह खोज लीबिया के गदामेस बेसिन स्थित कॉन्ट्रैक्ट एरिया 95/96 में की गई है। इस परियोजना में ऑयल इंडिया लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड भारतीय कंसोर्टियम के हिस्से हैं, जबकि अल्जीरिया की कंपनी रक्ढ इस परियोजना की ऑपरेटर है। जानकारी के अनुसार, इस कुएं की खुदाई लगभग 8,440 फीट की गहराई तक की गई। परीक्षण के दौरान यहां से प्रतिदिन करीब 13 मिलियन क्यूबिक फीट गैस और 327 बैरल कंडेनसेट का उत्पादन प्राप्त हुआ। यह उत्पादन अविनात वानिन और अविन काजा फॉर्मेशन से मिला है, जो इस क्षेत्र की ऊर्जा क्षमता को दशार्ता है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगा बल

मंत्रालय ने इस खोज को भारतीय ऊर्जा कंपनियों के बढ़ते वैश्विक विस्तार का महत्वपूर्ण उदाहरण बताया है। साथ ही कहा गया है कि यह सफलता अंतरराष्ट्रीय साझेदारी की अहमियत को भी दशार्ती है। भारत लगातार विदेशों में ऊर्जा संपत्तियों में निवेश कर अपनी ऊर्जा जरूरतों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है, और यह खोज उसी रणनीति का हिस्सा है।

पश्चिम एशिया तनाव से एशियाई बाजारों में भारी गिरावट, कच्चा तेल 109 डॉलर के पार

नई दिल्ली। ईरान युद्ध को समाप्त करने की कूटनीतिक वाताओं में आई रुकावट का सीधा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय बाजारों पर दिखने लगा है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद रहने से कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर से तेज उछाल आया है, जिसके कारण मंगलवार को प्रमुख एशियाई शेयर बाजारों में सुस्ती और गिरावट का रुख देखने को मिला। यह स्थिति उन देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है जो ऊर्जा के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर हैं।

कच्चे तेल में उबाल और सप्लाई चेन की चिंता

युद्ध विराम की अस्थिर स्थिति के बावजूद, होर्मुज जलडमरूमध्य प्रभावी रूप से बंद है, जो एशिया (विशेषकर जापान) में तेल आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है। आपूर्ति बाधित होने की इन चिंताओं ने ऊर्जा बाजार को फिर से गरमा दिया है।

आंकड़ों के अनुसार, जून डिलीवरी वाले ब्रेंट क्रूड का भाव 1.11 डॉलर बढ़कर 109.34 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इसी तरह जुलाई अनुबंध वाला ब्रेंट क्रूड भी 1.08 डॉलर की बढ़त के साथ 102.77 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है।

वॉल स्ट्रीट का प्रदर्शन और बॉन्ड मार्केट

अमेरिकी बाजारों (वॉल स्ट्रीट) में मिलाजुला रुख देखा गया। मजबूत कॉर्पोरेट मुनाफे की उम्मीदों के बीच र&ढ 500 सूचकांक 0.1 प्रतिशत चढ़कर 7,137.91 के अपने नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 0.1 प्रतिशत गिरकर 49,167.79 पर रहा, जबकि नैस्डैक कंपोजिट में 0.2 प्रतिशत की मामूली तेजी देखी गई। दूसरी ओर, बॉन्ड बाजार में कच्चे तेल की तेजी का असर दिखा और 10-वर्षीय अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड शुक्रवार के 4.31 प्रतिशत से बढ़कर 4.33 प्रतिशत हो गई।

आगे का आउटलुक

वैश्विक निवेशकों की नजर अब पूरी तरह से इस सप्ताह होने वाली प्रमुख केंद्रीय बैंकों की बैठकों पर टिकी है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व, यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) और बैंक ऑफ इंग्लैंड (बीओई) इस सप्ताह अपनी ब्याज दरों पर निर्णय की घोषणा करने वाले हैं। इसके अलावा, बाजार की दिशा तय करने में अल्फाबेट, अमेजन, मेटा प्लेटफॉर्म्स, माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल जैसी बड़ी टेक कंपनियों की आगामी अर्निंग्स (वित्तीय नतीजे) रिपोर्ट भी अहम भूमिका निभाएंगी। जब तक मध्य पूर्व में तनाव कम नहीं होता और ऊर्जा बाजार में स्थिरता नहीं आती, शेयर बाजारों में अस्थिरता का यह दौर जारी रहने की संभावना है।

सरकार ने 25 लाख टन अतिरिक्त गेहूं निर्यात को दी मंजूरी

बंपर उत्पादन और पर्याप्त स्टॉक के चलते फैसला, कुल निर्यात अनुमति 50 लाख टन पहुंची

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय ने देश से 25 लाख टन अतिरिक्त गेहूं के निर्यात की अनुमति देने के सरकार के फैसले को आधिकारिक तौर पर अधिसूचित कर दिया है। केंद्र सरकार ने 20 अप्रैल को देश में गेहूं के पर्याप्त स्टॉक और आगामी रबी सीजन में एक और मजबूत पैदावार की संभावनाओं को देखते हुए यह महत्वपूर्ण फैसला लिया था।

निर्यात का बढ़ता दायरा और कुल आंकड़े

इस नई खेप की मंजूरी मिलने के बाद, देश से अब तक कुल 50 लाख टन गेहूं और 10 लाख टन गेहूं उत्पादों के निर्यात को हरी झंडी मिल चुकी है। गौरतलब है कि सरकार ने इससे पहले इसी साल जनवरी महीने में 5 लाख टन गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी थी। इसके बाद, फरवरी में अतिरिक्त 5 लाख टन गेहूं उत्पादों और 25 लाख टन गेहूं को निर्यात के लिए मंजूर किया गया था।

गेहूं निर्यात में बड़ी राहत, डीजीएफटी ने जारी की अधिसूचना

नीतिगत स्थिति और डीजीएफटी की अधिसूचना

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अपनी हालिया अधिसूचना में नीतिगत स्थिति को साफ करते हुए कहा है, रगेहूं की निर्यात नीति... प्रतिबंधित बनी हुई है। हालांकि, अतिरिक्त 25 लाख मीट्रिक टन गेहूं के निर्यात की अनुमति दी जाती हैर। महानिदेशालय ने यह भी साफ किया है कि इस निर्यात के लिए विस्तृत नियम और प्रक्रियाएं एक अलग आदेश के जरिए जल्द ही अधिसूचित की जाएंगी। इसके अलावा, सरकार ने 13 मई, 2022 को जारी की गई अपनी पुरानी नीतिगत शर्त को भी बरकरार रखा है। इस शर्त के मुताबिकः भारत सरकार अन्य देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए गेहूं निर्यात की अनुमति दे सकती है।

यह निर्यात संबंधित देशों की सरकारों के विशेष अनुरोध और भारत सरकार की मंजूरी के आधार पर किया जाएगा। सबसे अहम बात यह है कि खाद्य सुरक्षा के तहत किया जाने वाला यह निर्यात, वर्तमान में मंजूर किए गए 25 लाख मीट्रिक टन के कोटे से अलग होगा। कृषि उत्पादन और बंपर पैदावार का असर निर्यात नीतियों में इस ढील के पीछे कृषि क्षेत्र के उत्साहजनक आंकड़े एक बड़ा कारण हैं। कृषि मंत्रालय द्वारा जारी किए गए दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसारः फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) के लिए देश का कुल गेहूं उत्पादन 120.2 मिलियन टन रहने का अनुमान है।

उत्पादन में इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण बुवाई के रकबे में हुआ इजाफा है। साल 2026 के रबी सीजन के दौरान गेहूं की बुवाई का रकबा बढ़कर 33.41 मिलियन हेक्टेयर हो गया है।

राशिफल

मेष: आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष: जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन: शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह: व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या: प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला: कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ: किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

पत्नी: तुम मुझसे कितना प्यार करते हो?
पति: जितना Whatsaap बिना इंटरनेट
पत्नी: मतलब?
पति: बिल्कुल नहीं

टीचर: बताओ दुनिया में सबसे बड़ा झूठ क्या है?
स्टूडेंट: मैं 5 मिनट में आ रहा हूं

दोस्त: तू इतना पढ़ता क्यों है?
दूसरा: ताकि शादी के बाद ताने कम सुनने पड़ें

मम्मी: बेटा, फोन छोड़कर पढ़ाई कर
बेटा: मम्मी, फोन में ही तो पढ़ाई कर रहा हूं
मम्मी: क्या पढ़ रहा है?
बेटा: ऑनलाइन कैसे सोएं

पत्नी: अगर मैं मर गई तो?
पति: मैं पागल हो जाऊंगा
पत्नी: फिर दूसरी शादी करोगे?
पति: पागल कुछ भी कर सकता है

टीचर: अगर तुम्हारे पास 10 सेब हैं और 5 खा लिए तो कितने बचे?
स्टूडेंट: 10
टीचर: कैसे?
स्टूडेंट: बाकी 5 मेरे पेट में हैं

29 04 2026 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

सिद्धांत चतुर्वेदी
अभिनेता

मीनल कागरा

पूजा शशांक शर्मा

संजय कुशवाहा

बलिष्टर सिंह

विराज चौधरी

सचिन त्यागी

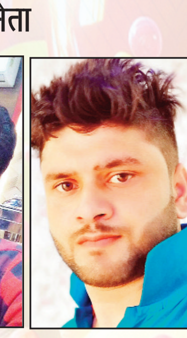
समीर

कुनाल

मनु चौधरी

पुष्कर सिंह रावत

अमित शर्मा

अंकित त्यागी

डॉ. जीपी मधुरिमा

वीके शर्मा

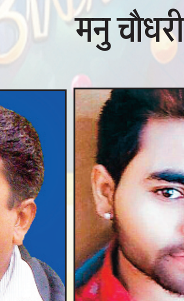
शुभम सोनी

निंरजन कसाना

नितेश पाल

प्रभात कुमार ओझा

प्रशांत कुमार

विक्रम सिंह

रवि शर्मा

शिखर शर्मा

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364
सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

29 April -26 page 5 28-04-2026 9:40 PM Page 1

क्या ओलंपिक में दिखेगा भारतीय फुटबॉल का दम: पीएम मोदी ने युवाओं में भरा जोश; फीफा विश्वकप के लिए जगाई दिलचस्पी

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल को नई दिशा देने की कोशिश के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगटोक में युवा खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलकर बड़ा संदेश दिया। पीएम ने बच्चों से कहा कि उन्हें सिर्फ खेलने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि ओलंपिक में खेलने के लक्ष्य के साथ मेहनत करनी चाहिए। उनके इस संदेश ने युवाओं में नया जोश भर दिया और भारतीय फुटबॉल के भविष्य को लेकर उम्मीदें बढ़ा दीं।

साथ ही फीफा विश्व कप 2026 का जून में आगाज होना है। उससे पहले पीएम मोदी के इस पहल ने भारतीय फैंस के अंदर इस टूनार्मेंट को लेकर दिलचस्पी भी जगा दी है। भारत में क्रिकेट के साथ-साथ फुटबॉल के भी काफी फैंस हैं और पीएम मोदी ने उन्हें अब फुटबॉल चुनने के लिए प्रेरित किया है। पीएम मोदी के ऐसा करने से फीफा विश्व कप जैसे बड़े मंचों पर भारत की मौजूदगी को लेकर भी नई चर्चा शुरू हो गई है।

बच्चों संग खेला फुटबॉल

सिक्किम दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी ने स्थानीय किशोर लड़के-लड़कियों के साथ फुटबॉल खेला। इस दौरान उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों के साथ समय बिताया और कुछ गोल भी किए। कभी उन्होंने राइट विंग से तो कभी सेंटर फॉरवर्ड से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया। उन्होंने गोल करने के लिए दाएं और बाएं पैर का बखूबी इस्तेमाल भी किया। एक वीडियो में पीएम कहते हैं, 'मुझे क्या आपलोग फुटबॉल खेलना सीखाएंगे। ऐसा तो नहीं कि आपलोग मुझे हरा देंगे।'

युवाओं को दिया बड़ा मंत्र

प्रधानमंत्री ने मैच के बाद युवा खिलाड़ियों से कहा, 'खेलने के लिए सिर्फ अभ्यास काफी नहीं है। मैच होना चाहिए। इससे हम सीखते हैं। हममें जुनून पैदा होता है। आने वाले दिनों में इसे लोकप्रिय बनाना है। आपको पता होगा भारत ओलंपिक (2036) की मेजबानी हासिल करने का प्रयास कर रहा है। उस समय तक आपलोग परिपक्व खिलाड़ी बन जाएंगे। इसलिए आप सभी को अभी से बेहतर करना का प्रयास करना चाहिए और अपनी तैयारी ओलंपिक खेलने के उद्देश्य से तैयारी करिए।'

भारतीय फुटबॉल के लिए संकेत

पीएम मोदी के इस संदेश को भारतीय फुटबॉल के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। युवाओं को बड़े मंचों के लिए तैयार करने की बात ने खेल जगत में नई ऊर्जा भरी है। इससे पहले पीएम ने अपने एक्स अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा था, 'गंगटोक की एक प्यारी सुबह, सिक्किम में अपने नन्हे दोस्तों के साथ फुटबॉल खेलने का मजा ही कुछ और है।' एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'इन युवाओं के साथ फुटबॉल का एक जबरदस्त सेशन।' प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों को फुटबॉल पर अपना ऑटोग्राफ भी दिया।

समोआ में भारतीय वेटलिफ्टर्स का 'गोल्डन' पंच, एक दिन में जीते 4 स्वर्ण

नई दिल्ली। भारतीय भारोत्तोलकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए समोआ के अपिया में चल रही राष्ट्रमंडल युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप और संबंधित यूनिवर्सल कप (सीनियर) में प्रतियोगिता के दूसरे दिन चार स्वर्ण पदक जीते। सुनील सिंह ने 65 किलोग्राम पुरुष वर्ग में कुल 271 किलोग्राम (स्नैच में 126 किलोग्राम और क्लीन एवं जर्क में 145 किलोग्राम) भार उठाकर स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि ऐसांगफा गोगोई ने 58 किलोग्राम महिला वर्ग में और अभिनव गोगोई ने 71 किलोग्राम पुरुष वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

ऐसांगफा ने कुल 185 किलोग्राम (स्नैच में 79 किलोग्राम और क्लीन एवं जर्क में 106 किलोग्राम) भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि अभिनव ने कुल 284 किलोग्राम (स्नैच में 129 किलोग्राम और क्लीन एवं जर्क में 155 किलोग्राम) भार उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यूनिवर्सल कप में अरुणाचल प्रदेश के चारू पेसी ने पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में 289 किलोग्राम (स्नैच में 127 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 162 किलोग्राम) के कुल भार के साथ स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) के अध्यक्ष सहदेव यादव ने टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों, कोच और सहायक कर्मचारियों को बधाई दी। यादव ने अपने बधाई संदेश में कहा, ह्यह्ये उपलब्धियाँ हमारे खिलाड़ियों और सहायक टीम की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। भारत वैश्विक भारोत्तोलन मंच पर एक मजबूत दावेदार के रूप में उभर रहा है।

मनु भाकर से वैभव सूर्यवंशी को लेकर सवाल, सोशल मीडिया पर क्यों मचा बवाल?

नई दिल्ली। भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर से युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी पर पूछा गया एक सवाल सोशल मीडिया पर बड़ी बहस का कारण बन गया। दिल्ली में नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 75वें स्थापना समारोह के दौरान पत्रकारों ने मनु से 15 वर्षीय क्रिकेट प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को लेकर राय मांगी।

मनु भाकर ने बेहद संतुलित और प्रेरणादायक जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'अगर मार्गदर्शन अच्छा हो, उसके आसपास सही लोग हों और उसे सही दिशा मिले, तो उम्र सिर्फ एक संख्या है। प्रतिभा की कोई उम्र नहीं होती। बड़ी उपलब्धियां 60 साल में भी मिलती हैं और छह साल में भी। अगर उसे सही मेंटरशिप मिली, तो वह अगला बड़ा स्टार बन सकता है।'

मनु भाकर क्यों हैं खास?

मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक 2024 में इतिहास रचा था। उन्होंने दो कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनीं। ऐसे में फैंस का मानना है कि बातचीत का केंद्र मनु की उपलब्धियां होनी चाहिए थीं।

वैभव सूर्यवंशी भी बने हुए हैं चर्चा का विषय

दूसरी ओर वैभव सूर्यवंशी क्रिकेट जगत में तेजी से उभरते सितारे हैं। आईपीएल 2026 में उन्होंने आठ पारियों में 357 रन बनाए हैं। उनका औसत 44.62 और स्ट्राइक रेट 234 से ज्यादा है। उन्होंने इस सीजन एक शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं। अंडर-19 विश्व कप में भी वैभव ने 439 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने टूनार्मेंट में रिकॉर्ड 30 छक्के लगाए और इतिहास रच दिया।

सोशल मीडिया पर क्यों भड़के लोग?

हालांकि मनु के जवाब की तारीफ हुई, लेकिन कई लोगों ने सवाल पूछने के तरीके पर नाराजगी जताई। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना था कि एक ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी से किसी क्रिकेटर पर सवाल पूछना दूसरे खेलों के प्रति असंतुलित सोच को दिखाता है। पूर्व क्रिकेट प्रशासक जॉय भट्टाचार्य ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'वह ओलंपिक पदक विजेता हैं। उनसे वैभव सूर्यवंशी के बारे में पूछना उनके खेल और उनकी उपलब्धियों के साथ न्याय नहीं है। क्रिकेट पहले से ही देश का सबसे लोकप्रिय खेल है। अगली बार वैभव सूर्यवंशी से मनु भाकर के बारे में पूछिए, तब चेहरे देखिए।'

एक पहलवान, दो राज्य, दो जन्म प्रमाण पत्र!

डब्ल्यूएफआई ने सरकारी सरकार की खामियों पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने संभाजी नगर में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के पहले दिन एक अंडर17 महिला पहलवान को प्रतियोगिता में भाग लेने से रोक दिया, क्योंकि उसके पिता ने अलग-अलग राज्यों से दो जन्म प्रमाण पत्र पेश किए थे जिससे सरकारी स्तर पर दस्तावेज सत्यापन में स्पष्ट कमियां भी उजागर हुईं। मध्य प्रदेश की तरफ से महिलाओं के 57 किलोग्राम वर्ग में भाग लेने की इच्छुक पहलवान (नाम गुप्त रखा गया है) के जन्म प्रमाण पत्रों में विसंगतियां पाई गई थी जिसके बाद अधिकारियों ने उसे प्रतियोगिता में भाग लेने से रोक दिया।

यह दस्तावेज पीटीआई के पास भी हैं जिनमें मध्य प्रदेश में जारी किए गए एक जन्म प्रमाण पत्र में जन्म तिथि 26 अगस्त, 2010 बताई गई है, लेकिन पंजीकरण और जारी करने की तिथि 16 नवंबर 2021 दिखाई गई है। यह तिथि जन्म के एक दशक से भी अधिक समय बाद की है। इस प्रमाण पत्र में श्योपुर जिले का पता अंकित है और इसे ग्राम पंचायत कार्यालय ने जारी किया था। डब्ल्यूएफआई के एक सूत्र के अनुसार पंजीकरण में देरी के बारे में पूछे जाने पर इस पहलवान के पिता ने राजस्थान से जारी किया गया एक और जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया।

नए जन्म प्रमाण पत्र में भी जन्मतिथि 26 अगस्त 2010 ही दर्ज है लेकिन उसमें पंजीकरण की तिथि एक सितंबर 2010 बताई गई है। यह पंजीकरण राजस्थान के श्रीगंगानगर में हुआ था और जन्म स्थान के रूप में वहां के एक निजी नर्सिंग होम का उल्लेख किया गया है। हालांकि यह प्रमाणपत्र इसके काफी बाद अप्रैल 2025 में जारी किया गया था।

पिता ने इस बात पर जोर दिया कि जन्मतिथि में कोई हेरफेर नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि परिवार के मध्य प्रदेश स्थानांतरित होने के बाद इस राज्य से भी नया प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया था, ताकि पहलवान राज्य का प्रतिनिधित्व कर सके। डब्ल्यूएफआई के अधिकारियों ने हालांकि पहलवान को प्रतियोगिता में प्रवेश देने से इनकार कर दिया और सवाल उठाया कि मूल दस्तावेजों के सत्यापन के बिना कोई अन्य राज्य कैसे दूसरा जन्म प्रमाण पत्र जारी कर सकता है।

> जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के लिए जिम्मेदार सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही होनी चाहिए।
> – डब्लूएफआई

डब्ल्यूएफआई के एक अधिकारी ने कहा, इससे गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं। हमसे आयु पात्रता के संबंध में सख्त अनुपालन सुनिश्चित करने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन उचित जांच के बिना ऐसे प्रमाण पत्र कैसे जारी किए जा रहे हैं। अगर दो राज्य अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्र जारी करते हैं तो इससे पूरी व्यवस्था ही कमजोर हो जाएगी। महासंघ ने हाल के महीनों में बड़े स्तर पर सामने आए एक चलन की ओर भी इशारा किया, जिसमें हरियाणा के कई पहलवानों द्वारा कथित तौर पर दिल्ली के रोहिणी और नरेला जिलों से जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने का पता चला है, जिसके कारण सख्त प्रशासनिक निगरानी की मांग उठाई गई है।

डब्ल्यूएफआई के अधिकारी ने कहा, सरकार ने खेल निकायों पर आयु वर्ग की प्रतियोगिताओं में उम्र को लेकर धोखाधड़ी के मामलों में कड़ी कार्रवाई करने का दबाव डाला है। जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के लिए जिम्मेदार सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही होनी चाहिए। डब्ल्यूएफआई ने राज्यों से बेहतर समन्वय और दस्तावेज जारी करने के समय सख्त सत्यापन प्रणाली लागू करने का आग्रह किया है।

विराट कोहली ने बच्चों से की मुलाकात, दिया जिंदगी का गुरुमंत्र, शेयर किया अपना अनुभव

नई दिल्ली। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली दिल्ली के स्कूल पहुंचे। जहां उन्होंने बच्चों से मुलाकात की और अपना अनुभव शेयर किया। इस दौरान उन्होंने अपना अनुभव बताते हुए जीवन में आगे बढ़ने, सपने पूरे करने की सीख दी। कोहली ने यहां क्रिकेट अकादमी का उद्घाटन किया और इसी दौरान संबोधन में बच्चों की जिंदगी में कुछ कर गुजरने का रास्ता भी बताया। कोहली इस समय आईपीएल 2026 में खेल रहे हैं। उनकी टीम आरसीबी ने सोमवार को अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स को मात दी। इस मैच के दौरान कोहली ने टी20 में अपने 9000 रन पूरे किए हैं। बच्चों को संबोधित करते हुए कोहली ने अपना अनुभव शेयर किया और बताया कि कैसे उन्होंने बहुत कम उम्र में क्रिकेट को अपनी प्राथमिकता बना लिया था। कोहली ने कहा कि, मुझे यहां बुलाने के लिए शुक्रिया। मैं स्कूल में बोलने का आदी नहीं हूं इसलिए ये मेरे लिए थोड़ा अजीब होने वाला है क्योंकि मैं काफी पहले ही स्कूल सेट अप से दूर चला गया था। जिसका कारण क्रिकेट था और मैं इसी बारे में बात करने वाला हूं। कोहली ने कहा कि, आप बच्चे इस समय जिस दौर में हैं और जिस प्रक्रिया से गुजर रहे हैं उसका हिस्सा मैं भी रह चुका हूं। मैं सिर्फ अपना अनुभव बता सकता हूं कि कैसे मेरे शुरूआती जीवन में मेरा फोकस और मेरी प्राथमिकता बदल गई थी। इस दौरान कोहली ने कहा कि बच्चों को अपने आस-पास के सभी लोगों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं बस ये कहना चाहता हूं कि स्कूल ऐसी जगह है जहां आप सीखने आते हैं आगे बढ़ने आते हैं और आप बेहतर इंसान बनते हैं। पहले आपके पास जो वातारवण है उसका सम्मान कीजिए, आपके टीचर्स जो लोग आपको सिखा रहे हैं उनका सम्मान कीजिए। वह आपको अपने जीवन का हिस्सा दे रहे हैं। उन लोगों को वो सम्मान, वो फोकस और प्राथमिकता दी जानी चाहिए जिसके वो हकदार हैं।

भारत से मुकाबले से पहले परेशान पाकिस्तान हॉकी टीम

खिलाड़ियों का फूटा गुस्सा, जताई नाराजगी

नई दिल्ली। एफआईएच मेन्स प्रो लीग 2026 में भारत के खिलाफ जून में होने वाले मुकाबलों से पहले पाकिस्तान हॉकी टीम के अंदर नाराजगी बढ़ती दिख रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के खिलाड़ी अपनी फेडरेशन से बेहद निराश हैं, क्योंकि टीम के लिए अभी तक न कोई ट्रेनिंग कैंप लगाया गया है और न ही कोई हाई-प्रोफाइल कोच नियुक्त किया गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच प्रो लीग के मुकाबले 23 जून और 26 जून को यूनाइटेड किंगडम में खेले जाएंगे।

खिलाड़ियों ने जताई नाराजगी

रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों का मानना है कि भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ मुकाबले के लिए बेहतर तैयारी जरूरी थी, लेकिन फेडरेशन ने इस दिशा में कोई गंभीर कदम नहीं उठाया। न्यूज एजेंसी आईएएनएस ने सूत्रों के हवाले से कहा है, 'पाकिस्तान ने 2016 के बाद भारत को नहीं हराया है, इसलिए खिलाड़ी पूरी तैयारी चाहते थे, लेकिन अब तक किसी कैंप या अंतरराष्ट्रीय कोच के संकेत नहीं हैं। भारत जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ यह चुनौती आसान नहीं है।'

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि खिलाड़ियों ने फेडरेशन से विदेशी कोच नियुक्त करने की मांग की थी। खास तौर पर रोलेंट ओल्टमंस जैसे अनुभवी कोच का नाम सामने आया, जिन्हें भारतीय खिलाड़ियों और टीम संरचना की अच्छी समझ है, लेकिन फेडरेशन ने यह मांग नहीं मानी और पूर्व ओलंपियन मंजूरुल हसन को मुख्य कोच बना दिया। सूत्रों ने कहा, 'मंजूरुल पुराने दौर के कोच हैं। उन्हें आधुनिक हॉकी और मौजूदा खिलाड़ियों की पर्याप्त जानकारी नहीं है, इसलिए यह नियुक्ति ज्यादा उपयोगी नहीं दिखती।'

लगातार हार से दबाव में पाकिस्तान

पाकिस्तान इस बार पहली बार नौ टीमों वाली प्रो लीग में खेल रहा है। उसे न्यूजीलैंड के हटने के बाद मौका मिला था। लेकिन मैदान पर टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। पाकिस्तान अब तक अपने सभी मुकाबले हार चुका है। टीम को नीदरलैंड, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी जैसी टीमों ने हराया है। ऐसे में भारत और इंग्लैंड के खिलाफ अगला चरण पाकिस्तान के लिए करो या मरो जैसा हो सकता है।

आर्थिक परेशानियां भी बड़ी समस्या

खिलाड़ियों ने भुगतान और सुविधाओं को लेकर भी नाराजगी जताई है। रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों से 120 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन भत्ते का वादा किया गया था, लेकिन मिस्र में क्वालीफाइंग दौर के दौरान उन्हें सिर्फ 40 डॉलर मिले। इसके अलावा खिलाड़ियों को केंद्रीय अनुबंध और मैच फीस भी नहीं मिल रही है। एक खिलाड़ी ने कहा, 'हॉकी खिलाड़ियों की हालत नहीं बदल रही, क्योंकि कोई सुनने वाला नहीं है। हमें कम भुगतान और बिना तैयारी के मैदान में उतरना पड़ रहा है।'

भारत के खिलाफ चुनौती कठिन

भारत इस समय विश्व हॉकी की मजबूत टीमों में गिना जाता है। ऐसे में खराब तैयारी और कमजोर मनोबल के साथ पाकिस्तान के लिए मुकाबला आसान नहीं होगा। भारत से बड़े मुकाबले से पहले पाकिस्तान हॉकी टीम के भीतर असंतोष सामने आना उनकी मुश्किलें बढ़ाने वाला संकेत है। अगर जल्द तैयारी, कोचिंग और सुविधाओं पर ध्यान नहीं दिया गया, तो प्रो लीग में टीम का संघर्ष और बढ़ सकता है।

महिला विश्व कप के लिए इंग्लैंड टीम का एलान, 18 साल की टिली कोलमैन को मिली जगह

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। बाएं हाथ की 18 वर्षीय अनकैप्ड स्पिन गेंदबाज टिली कोर्टीन-कोलमैन को पहली बार इंग्लैंड टीम में जगह दी गई है। टिली कोलमैन सोफी एक्लेस्टोन और चार्ली डीन के साथ मिलकर इंग्लैंड के स्पिन अटैक को मजबूती प्रदान करेंगी। टिली कोलमैन का प्रदर्शन हाल ही में हुए 'द हंड्रेड' टूनार्मेंट में शानदार रहा था। उन्होंने नौ मुकाबलों में 5.75 के शानदार इकोनॉमी रेट से 11 विकेट चटकाए थे।

ब्रंट की कप्तानी में उतरेगी टीम

सदर्न ब्रेव को फाइनल तक पहुंचाने में कोलमैन ने अहम भूमिका निभाई थी। घरेलू वनडे मुकाबलों में भी उन्होंने अपनी गेंदबाजी से खासा प्रभावित किया है। वह सात पारियों में 10 विकेट निकाल चुकी हैं। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीम की घोषणा की। इस मेगा इवेंट के लिए इंग्लैंड टीम की कप्तानी साइवर-ब्रंट के हाथों में सौंपी गई है। वहीं, चार्ली डीन उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी। इस्सी वोंग और लॉरेन फाइलर को भी टीम में जगह दी गई है, जो अपने करियर का पहला टी20 विश्व कप खेलेंगी। अंगुली की चोट से उबर रहीं सारा ग्लेन को टीम में शामिल नहीं किया गया है। महिला टी20 विश्व कप में पहली बार इंग्लैंड की कप्तानी करने जा रहीं साइवर-ब्रंट ने कहा, अपने परिवार, दोस्तों और सभी समर्थकों के सामने अपने देश में टी20 विश्व कप में इंग्लैंड को लीड करना बहुत बड़े सम्मान की बात है। मुझे पता है कि 2009 में विश्व कप जीतना खिलाड़ियों और कप्तान के तौर पर शार्लेट एडवर्ड्स के लिए कितना मायने रखता था। इसके साथ ही हीथर नाइट की कप्तानी में 2017 वनडे विश्व कप में मिली जीत भी काफी खास थी।

महिला टी20 विश्व कप के लिए इंग्लैंड की टीम: नेट साइवर-ब्रंट (कप्तान), लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, टिली कॉर्टीन-कोलमैन, चार्ली डीन (उपकप्तान), सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, डैनी गिब्सन, एमी जोन्स, फ्रेया केम्प, हीथर नाइट, लिंसी स्मिथ, इस्सी वोंग और डैनी वायट-हॉज।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भी यही टीम लेगी हिस्सा

टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई यही इंग्लैंड टीम न्यूज़ीलैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टी20 सीरीज में भी हिस्सा लेगी। विश्व कप के लिए चुनी गई टीम के बारे में बात करते हुए इंग्लैंड टीम के मुख्य कोच शार्लेट एडवर्ड्स ने कहा, इंतजार और सोच-विचार खत्म हो गया है। हमने अपनी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप टीम का एलान कर दिया है और इसमें कोई शक नहीं है कि इन 15 नामों तक पहुंचना बहुत मुश्किल रहा है। यह सबसे मुश्किल चयन बैठक थी क्योंकि चुनने के लिए खिलाड़ियों का पूल बहुत मजबूत है। घरेलू मैदान पर आईसीसी महिला टी20 विश्व कप खेलना इस देश के खेल के लिए खास पल है।

जीती बाजी हार गईं पीवी सिंधु, चीन के हाथों 0-5 की करारी हार से भारत बाहर

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मजबूत स्थिति में होने का फायदा नहीं उठा पाईं जबकि अन्य खिलाड़ियों ने भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जिससे भारत उबेर कप में चीन से 0-5 से हारकर इस बैडमिंटन टूनार्मेंट से बाहर हो गया। भारतीय महिला टीम ने मेजबान डेनमार्क से 2-3 की हार के साथ शुरूआत की थी, लेकिन उसके बाद उसने यूक्रेन पर 4-1 से जीत हासिल करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद बनाए रखी थी।

उबेर कप में 16 बार के चैंपियन चीन से भारत को पिछले तीनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। सिंधु ने भारत की तरफ से शुरूआत की जबकि उन्नति हुडा और तन्वी शर्मा की जगह अन्य दो एकल मुकाबलों के लिए ईशरानी बरुआ और देविका सिहाग को टीम में शामिल किया गया। सिंधु निर्णायक सेट में 18-12 से आगे थी लेकिन आखिर में वह विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग झियी से 16-21, 21-19, 19-21 से हार गईं। इससे चीन ने सोमवार को ग्रुप ए के इस महत्वपूर्ण मुकाबले में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

सिंधु ने बाद कहा, यह एक अच्छा मैच था। अगर मैं जीत हासिल करने में सफल रहती तो और भी अच्छा होता। मुझे मौके मिले, लेकिन ऐसा नहीं था कि कुछ अंक आसान थे। प्रत्येक अंक के लिए कड़ा मुकाबला हुआ। हम वास्तव में प्रत्येक अंक के लिए बहुत संघर्ष कर रहे थे। प्रिया कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा पहले युगल मुकाबले में विश्व की नंबर एक जोड़ी लियू शेंग शू और टैन निंग के सामने नहीं टिक पाईं और 11-21, 8-21 से हार गईं। इशारानी बरुआ ने तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन युफेई के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन विश्व में 38वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में 20-19 पर एक आसान मौका गंवा दिया।

विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी युफेई ने यह मैच 44 मिनट में 22-20, 21-13 से जीतकर चीन को 3-0 की अजेय बढ़त दिला दी। दूसरे युगल में त्रीसा जॉली और कविप्रिया सेल्वम की जोड़ी को 59 मिनट तक चले मुकाबले में लूओ जू मिन और झांग शू जियान से 10-21, 21-12, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व में 43वें नंबर की खिलाड़ी देविका सिहाग ने भी अच्छी शुरूआत की लेकिन वह लय बरकरार रखने में विफल रहीं और तीसरे एकल में विश्व में 97वें नंबर की खिलाड़ी जू वेन जिंग से 21-19, 17-21, 10-21 से हार गईं। भारत की निगाहें अब पुरुष टीम पर टिकी हैं जो थॉमस कप में ग्रुप ए में अपने आखिरी मुकाबले में चीन का सामना करेगा। 2022 की चैंपियन भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया पर 5-0 की शानदार जीत से पहले ही क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

भारत और चीन इस ग्रुप में शीर्ष पर हैं। भारत ने कनाडा पर 4-1 से जीत के साथ शुरूआत की थी। चीन ने अपने पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया था। उसने सोमवार को कनाडा को 4-1 से पराजित किया। भारत और चीन अब बुधवार को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे, जिससे ग्रुप में शीर्ष स्थान पर रहने वाली टीम का फैसला होगा।

सोनू जाटव हत्याकांड, क्या बच सकती थी जान ?

विधायक लोनी नंदकिशोर गुर्जर का पुलिस पर सीधा हमला

गाजियाबाद, करंट क्राइम। लोनी के सोनू जाटव हत्याकांड में अब सियासी और प्रशासनिक टकराव खुलकर सामने आ गया है। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने पुलिस कमिश्नर को लिखे विस्तृत पत्र में न सिर्फ पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं, बल्कि पूरे मामले में लापरवाही, भ्रामक जांच और सांठगांठ जैसे गंभीर आरोप भी लगाए हैं। विधायक लोनी ने अपने पत्र में कहा कि 28 अप्रैल 2026 को मीडिया में प्रकाशित पुलिस की थ्योरी सत्य से परे और भ्रामक है।

उनके मुताबिक, पुलिस ने एफआईआर तक खुद तैयार कर मामले को मोड़ने का प्रयास किया, ताकि कस्बा चौकी और एक मुखबिर को बचाया जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि हत्याकांड में कई लोगों की संलिप्तता के बावजूद पुलिस द्वारा चुनिंदा नाम ही शामिल किए गए और मृतक के परिजनों पर आरोपियों की संख्या कम बताने का दबाव बनाया गया। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि घटना से पहले 25 अप्रैल को संबंधित पक्षों के बीच मारपीट हुई थी, जिसकी सूचना चौकी पर दी गई थी। विधायक का सवाल है कि अगर उसी समय पुलिस ने सख्त कार्रवाई की होती, तो संभवतः सोनू जाटव की जान बच सकती थी।

उन्होंने यह भी कहा कि हत्या को जमीन कब्जे के शक का रंग देकर असली कारणों से ध्यान भटकाने की कोशिश की गई। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने अपने पत्र में यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोगों द्वारा किराए के मकान को लेकर विवाद था और उसी के चलते योजनाबद्ध तरीके से हमला किया गया।

इतना ही नहीं, घायल अवस्था में सोनू जाटव को समय पर समुचित चिकित्सा नहीं मिल पाई, जिससे उसकी हालत बिगड़ती गई और अंततः उसकी मौत हो गई। विधायक ने पूरे मामले में पुलिस की भूमिका को संदिग्ध बताते हुए उच्चस्तरीय, निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही उन्होंने मृतक के परिजनों को न्याय दिलाने और आर्थिक सहायता सुनिश्चित करने की भी बात कही है। इस पत्र के सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है–क्या वाकई समय रहते कार्रवाई होती तो सोनू जाटव की जान बच सकती थी? और क्या जांच में सामने आएंगे वे चेहरे, जिन पर अब तक पर्दा डाला जा रहा है?

बढ़ती गर्मी में नगर निगम का राहत अभियान शुरू

शहरभर में अस्थाई प्याऊ लगाए राहगीरों को मिली राहत

हर जोन में कई स्थानों पर की गई है व्यवस्था

गाजियाबाद, करंट क्राइम : भीषण गर्मी के बीच आमजन को राहत देने के लिए गाजियाबाद नगर निगम ने सराहनीय पहल करते हुए शहरभर में अस्थाई मटके वाले प्याऊ स्थापित किए हैं। पांचों जोन में 50 से अधिक प्रमुख स्थानों पर लगाए गए इन प्याऊ से राहगीरों, रिक्शा चालकों और यात्रियों को शुद्ध व शीतल पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर जलकल विभाग की टीम ने उन स्थानों का चयन किया है, जहां लोगों की आवाजाही अधिक रहती है। रेलवे स्टेशन, बाजार, अस्पताल, मेट्रो स्टेशन, चौराहे और प्रमुख मार्गों पर इन प्याऊ को स्थापित किया गया है, जिससे गर्मी में सफर कर रहे लोगों को तुरंत राहत मिल सके। नगर आयुक्त ने बताया कि भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए पेयजल व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई है। मटकों को सुरक्षित रखने के लिए कैनोपी लगाई गई है, जिससे पानी ठंडा और स्वच्छ बना रहे। साथ ही जलकल विभाग की टीम द्वारा दिन में पांच बार मटकों को भरने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कई स्थानों पर कर्मचारियों की तैनाती भी की गई है, जो राहगीरों को पानी पिलाने का कार्य कर रहे हैं।

इन स्थानों पर मिलेगा निगम का ठंडा पानी

करंट क्राइम : महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद ने जानकारी दी कि सिटी जोन, इंदिरापुरम, विजयनगर, कवि नगर, वसुंधरा और मोहन नगर क्षेत्रों के प्रमुख स्थानों जैसे न्यू आर्य नगर, घंटाघर, एमएमजी अस्पताल, मंगल चौक, प्रताप विहार, कलेक्ट्रेट परिसर, किसान चौक, अप्सरा बॉर्डर और श्याम पार्क मेट्रो स्टेशन पर प्याऊ लगाए गए हैं। नगर निगम का कहना है कि जरूरत के अनुसार इन अस्थाई प्याऊ की संख्या और बढ़ाई जाएगी। खासतौर पर स्कूल, बस अड्डे, रेलवे स्टेशन और अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त व्यवस्था की जा रही है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इस पहल का लाभ मिल सके।

नोएडा में सफाई, अतिक्रमण व जलभराव पर सख्त हुआ प्राधिकरण, सीईओ ने दिए कड़े निर्देश

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने वर्क सर्किल-1 से 5 तक के कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में सफाई, उद्यान, सीवर, सड़क, जलभराव और अवैध अतिक्रमण समेत कई मुद्दों पर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। सीईओ ने निर्देश दिए कि नोएडा के सभी क्षेत्रों और गांवों में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था प्रभावी ढंग से संचालित की जाए। सड़कों और नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के साथ पुराने कूड़ाघरों का सौंदर्यीकरण कराया जाए तथा खाली स्थानों पर बच्चों के झूले, बेंचऔर ओपन जिम जैसी सुविधाएं विकसित करने पर विचार किया जाए।

बैठक में सार्वजनिक शौचालयों और यूरिनल्स की मरम्मत 15 दिनों में पूरी करने तथा पानी, बिजली और साबुन जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक संचालित रखने के निर्देश दिए गए। बारिश से पहले नालों और पुलियों की मरम्मत कर जलभराव रोकने पर भी जोर दिया गया।

उन्होंने अधिकारियों को अवैध अतिक्रमण और अवैध साप्ताहिक बाजारों के खिलाफ लगातार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। वहीं, शहर के दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर सुरक्षा संबंधी कार्य जल्द पूरा करने को कहा गया।

सीईओ ने उद्यान विभाग को पेड़ों की नियमित कटाई-छंटाई कराने तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त मशीनें खरीदने के निर्देश दिए। गर्मी को देखते हुए सड़कों पर वाटर स्प्रिंकलर से पानी का छिड़काव करने और विभिन्न स्थानों पर वाटर कूलर व प्याऊ लगाने के आदेश भी दिए गए।

मोदीनगर से स्मैक तस्कर गिरफ्तार, सप्लाई चेन का खुलासा

गाजियाबाद, करंट क्राइम : मोदीनगर थानाक्षेत्र में मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शातिर स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 21.02 ग्राम अवैध स्मैक, 22 पुड़िया, एक मोटरसाइकिल और 210 रुपये नकद बरामद हुए हैं। यह कार्रवाई विशेष चेकिंग अभियान के दौरान की गई। पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सटीक सूचना पर टीम ने इलाके में घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को रोका और तलाशी ली, जिसमें भारी मात्रा में स्मैक बरामद हुई। पकड़ा गया आरोपी आशु निवासी इंद्रपुरी, थाना मोदीनगर, उम्र करीब 22 वर्ष है, जो लंबे समय से क्षेत्र में नशे का कारोबार चला रहा था।

पूछताछ में खुलासा, घूम-घूमकर करता था सप्लाई

करंट क्राइम : एसीपी मोदी नगर भास्कर वर्मा ने बताया है कि पूछताछ में आरोपी ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि वह कल्लू नाम के सप्लायर से चोरी-छिपे स्मैक खरीदता था और फिर उसे छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर शहर और आसपास के इलाकों में मोटरसाइकिल से घूम-घूमकर बेचता था। ज्यादा मुनाफे के लालच में उसने इस अवैध धंधे को अपना पेशा बना लिया था। मोदीनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी पर पहले से ही चोरी के दो मुकदमे दर्ज हैं। इस गिरफ्तारी के बाद उसका आपराधिक इतिहास तीन मामलों तक पहुंच गया है। पुलिस अब उसके नेटवर्क और कल्लू नाम के सप्लायर की तलाश में जुट गई है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए अभियान और तेज किया जाएगा। यह कार्रवाई न केवल एक तस्कर की गिरफ्तारी है, बल्कि इलाके में चल रहे नशे के कारोबार पर बड़ी चोट मानी जा रही है।

गो आश्रय स्थलों की समीक्षा बैठक, व्यवस्थाओं को लेकर सख्त निर्देश

सीडीओ ने भूसा संग्रह, गर्मी से बचाव सीसीटीवी निगरानी और हरे चारे की व्यवस्था समयबद्ध करने को कहा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जनपद के गो आश्रय स्थलों की स्थिति की समीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में जनपदीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन, पुलिस, पशुपालन, कृषि, पंचायत और नगर निकायों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान सीडीओ ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि गो आश्रय स्थलों पर संरक्षित गोवंश के लिए कम से कम छह माह का भूसा सस्ते दरों पर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने लक्ष्य निर्धारित करते हुए 30 अप्रैल तक कम से कम 50 प्रतिशत भूसा संग्रहित करने के निर्देश दिए। गर्मी और लू को देखते हुए उन्होंने सभी गो आश्रय स्थलों पर पंखों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ कूलर और मिस्ट फैन लगाने के भी निर्देश दिए, ताकि गोवंश को अत्यधिक तापमान से बचाया जा सके। इसके साथ ही सभी आश्रय स्थलों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को क्रियाशील रखने और उनकी निगरानी कंट्रोल रूम से करने पर जोर दिया गया।

सीडीओ ने निर्देश दिए कि जहां स्थान उपलब्ध है, वहां अतिरिक्त शेड का निर्माण कराया जाए, ताकि अधिक संख्या में निराश्रित गोवंश को आश्रय मिल सके। उन्होंने गोचर भूमि, एलएमसी भूमि और शत्रु संपत्ति को अवैध कब्जों से मुक्त कराकर वहां हरे चारे का उत्पादन शुरू करने के निर्देश भी दिए। इसके लिए शासन से उपलब्ध कराई गई धनराशि का शीघ्र उपयोग करने को कहा गया।

बैठक में गो आश्रय स्थलों के संचालन में एनजीओ और समितियों की भागीदारी बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। इच्छुक संस्थाओं से एक सप्ताह के भीतर विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा उप जिलाधिकारियों को तहसीलवार गोचर, एलएमसी और शत्रु संपत्तियों का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, ताकि इनका उपयोग गोवंश संरक्षण और चारा उत्पादन के लिए प्रभावी रूप से किया जा सके।

नोएडा में आग की घटनाओं ने बढ़ाई चिंता

24 घंटे में 4 बड़े हादसे

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर में बढ़ती गर्मी के साथ आग लगने की घटनाओं में भी तेजी देखी जा रही है। पिछले 24 घंटों के भीतर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अलग-अलग क्षेत्रों में आग लगने की चार बड़ी घटनाएं सामने आई हैं, जिससे प्रशासन और फायर विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। सबसे गंभीर घटना ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर क्षेत्र में हुई, जहां कोर्ट के गेट नंबर-4 के सामने गैस पाइपलाइन में लीकेज होने से भीषण आग लग गई। आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

मौके पर फायर ब्रिगेड की कई टीमें पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास जारी रहा। वहीं सेक्टर-76 मंडी के पास बनी झुग्गियों में दोपहर करीब दो बजे आग लग गई। आग की चपेट में फल और सब्जियों की दो-तीन दुकानें तथा पास में रखा कबाड़ जलकर राख हो गया। फायर विभाग की दो गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। इसके अलावा सेक्टर-40 के डी-24 स्थित एक मकान में भी आग लगने की सूचना मिली थी। फायर विभाग ने फेज-1 और फेज-3 से फायर टेंडर भेजकर आग पर काबू पाया। यहां भी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उधर ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित निराला एस्टेट सोसायटी के टावर-8 के एक फ्लैट में मंदिर के दीये से आग सुलगने की घटना सामने आई।

साहिबाबाद में एसीपी अमित सक्सेना का स्वागत

क्षेत्रीय समस्याओं पर हुई चर्चा

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। साहिबाबाद में पदभार ग्रहण करने पर सहायक पुलिस आयुक्त अमित सक्सेना का गुलदस्ता और पटका पहनाकर स्वागत किया गया।

इस दौरान क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। पूर्व पार्षद एसपी सिंह ने स्थानीय मुद्दों को अधिकारियों के सामने रखा। कार्यक्रम में राकेश सूद, रामजी झा, अजय कुमार और के.के. दुबे सहित कई लोग मौजूद रहे। सभी ने मिलकर क्षेत्र में बेहतर कानून-व्यवस्था और सहयोग का भरोसा जताया।

सात चौकियों पर किसको मिलेगा मौका

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में इन दिनों कई चौकी प्रभारी को लाइन का रास्ता दिखाया गया है। तो एक को सस्पेंड किया गया है। तो सूत्र बता रहे हैं कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में आने वाले समय में 7 चौकियों पर नए फेस तलाशे जा रहे हैं। तो अब बताया जा रहा है कि चार चौकी सिटी और तीन नदिया पार की हैं। तो सुनने में आ रहा है कि आने वाले दिनों में अगला एक्शन देहात में देखने को मिलेगा। बता दें की जिस तरीके से चेन स्नेचिंग वाले कांड के बाद बड़ा कांड हुआ है, उसके बाद पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में कई चौकी प्रभारी अब वहां से हटने का जुगाड़ लगा रहे हैं। कोई अपने संपर्क सूत्र तलाश रहा है। तो कोई पुराने संपर्क तलाश रहा है। अब सुनने में आ रहा है कि नदिया पार में कई चौकी और रडार पर हैं ,तो सिटी में भी कई थानेदार उन चौकी प्रभारियों को हटाने के लिए नाम नोट कर चुके हैं, जहां उनका वारदात रोकने में फेल होने वाला सीन दिखाई दे रहा है। इन सबके बीच जानकारी यह है कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में आए दोनों एडीसीपी साहब लोगों को मौका दे दिया गया है। बताया जा रहा है एक पर भरोसा अधिक जताया गया है, तो एक को बहुत ही महत्वपूर्ण टास्क में भी लगाया गया है। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में अभी एसीपी स्तर के अधिकारियों के लिए वेट करना होगा। तो पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में थाना प्रभारियों के फेरबदल का सिलसिला मई में शुरू हो सकता है। इन सबके बीच सूचना यह मिली है कि जो पुलिस कमिश्नरेट में नए रंगरूट आए हैं, उनको अभी से पुलिसिंग का पाठ्यक्रम पढ़ना शुरू कर दिया गया है। थानों में कहीं शपथ दिलाई जा रही है। तो कहीं बीट के कर्तव्य और वचन याद कराए जा रहे हैं। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में कानून व्यवस्था को सुधारने के साथ ही पुलिसिंग की व्यवस्था को मजबूत बनाने पर जोर दिया जा रहा है। अब देखना होगा कि जिस तरीके से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में जिस तरीके से इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर दिया जा रहा है, तो सूत्र बता रहे हैं कि अब पुलिसिंग व्यवस्था को भी पहले से ज्यादा सशक्त, सुरक्षित और समर्पित बनाने पर जोर दिया जाएगा।

आरकेजीआईटी में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट पर राष्ट्रीय सम्मेलन, पेटेंट चुनौतियों पर मंथन

ड्रग डेवलपमेंट से संरक्षण तक के मुद्दों पर विशेषज्ञों ने साझा किए विचार, छात्रों को मिला शोध प्रस्तुत करने का मंच

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (फामेर्सी), गाजियाबाद में वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट डे के अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन का विषय पेटेंट चैलेंजेस इन ड्रग डेवलपमेंट : फ्रॉम डिस्कवरी टू प्रोटेक्शन रहा, जिसका आयोजन दामोदर एकेडमी ऑफ साइंटिफिक एंड एजुकेशनल रिसर्च, नई दिल्ली के सहयोग से किया गया। सम्मेलन में देशभर के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट विशेषज्ञों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सुमन श्रेय सिंह (पूर्व संयुक्त नियंत्रक, पेटेंट एंड डिजाइन, वाणिज्य मंत्रालय) मौजूद रहे। इसके अलावा रीमा मेदिरत्ता, डॉ. सुषमा तालेगांवकर और पेटेंट एजेंट पूजा कुमार ने भी अपने विचार साझा किए। आयोजन समिति का नेतृत्व फामेर्सी विभाग की प्रिंसिपल डॉ. मोनिका सचदेवा ने संयोजक के रूप में किया, जबकि मेघा टोंक आयोजन सचिव रहीं। सम्मेलन में दवा विकास प्रक्रिया में पेटेंट से जुड़ी चुनौतियों, अनुसंधान से लेकर बौद्धिक संपदा संरक्षण तक के विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा हुई। इस अवसर पर छात्रों और शोधार्थियों ने पोस्टर, मॉडल और ओरल प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए। साथ ही जीपैट क्वालिफाई करने वाले प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, ग्रुप एडवाइजर लक्ष्मण प्रसाद, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ.डी.के. चौहान, डायरेक्टर बी.सी. शर्मा, चीफ प्रॉक्टर एच.सी. गर्ग और एचआर हेड डॉ. विपुल गोयल सहित संस्थान के कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। यह सम्मेलन फामेर्सी और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट के क्षेत्र में छात्रों, शोधकताओं और उद्योग विशेषज्ञों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ।

नेशनल पब्लिक स्कूल में शेरसिंह शर्मा मेमोरियल इंटर स्कूल में बैडमिंटन टूनार्मेंट का किया आयोजन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। राजेन्द्र नगर स्थित नेशनल पब्लिक स्कूल में मंगलवार को स्वर्गीय शेरसिंह शर्मा मेमोरियल इंटर स्कूल बैडमिंटन टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। टूनार्मेंट का उद्घाटन प्रधानाचार्या रीना शर्मा, प्रबंधक शांतनु शर्मा, उप प्रबंधक प्रियांशु शर्मा, उप प्रधानाचार्या बबीता शर्मा एवं एचओडी फिजिकल एजुकेशन संदीप नागर ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया। इस प्रतियोगिता में डीपीएस पानीपत, खेतान वर्ल्ड स्कूल राजनगर एक्सटेंशन, सैंटरेसा स्कूल इंदिरापुरम, नेशनल पब्लिक स्कूल सहित कई एकेडमी के खिलाड़ियों ने भाग लिया। पहले दिन अंडर-9 वर्ग के सभी मैच खेले गए। विजयी खिलाड़ियों को ट्रॉफी व मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर बैडमिंटन कोच अभिषेक सिंह, सूरज, एम्पायर नमन मिश्रा, निशांत चौहान समेत स्कूल स्टाफ एवं अभिभावक उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि टूनार्मेंट के माध्यम से उभरती प्रतिभाओं को मंच देना उद्देश्य है।

आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में स्पिक मैके संग शास्त्रीय संगीत की सुरमयी शाम

ग्रैमी विजेता पं. राजेंद्र प्रसन्ना की प्रस्तुति ने बांधा समां, विद्यार्थियों को मिला सांस्कृतिक अनुभव

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, मोहन नगर में स्पिक मैके के सहयोग से पीजीडीएम (2025-27) बैच के विद्यार्थियों के लिए शास्त्रीय वाद्य संगीत कार्यक्रम का आयोजन द्रोणाचार्य ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भारतीय शास्त्रीय संगीत से जोड़ना और उन्हें महान कलाकारों की जीवंत प्रस्तुति का अनुभव कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ पं. राजेंद्र प्रसन्ना (ग्रैमी पुरस्कार विजेता, बांसुरी एवं शहनाई वादक), तबला वादक देवज्योति दास गुप्ता और बांसुरी वादक राम मोरावल की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर निदेशक प्रो. डॉ. अजय कुमार और निदेशक (पीआर) सुरेंद्र सूद ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया।

अपने संबोधन में प्रो. डॉ. अजय कुमार ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम छात्रों के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इसके बाद पं. राजेंद्र प्रसन्ना ने अपने संगीत जीवन के अनुभव साझा किए और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने प्रदर्शन का उल्लेख किया। संगीत प्रस्तुति के दौरान कलाकारों की तिकड़ी ने शास्त्रीय रागों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे पूरा सभागार सुर और ताल के अद्भुत संगम से गूंज उठा। दर्शकों ने तालियों के साथ कलाकारों की सराहना की। कार्यक्रम को आईटीएस एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने भी सराहा। समापन समूह छायाचित्र के साथ हुआ, जिसमें सभी ने इस यादगार आयोजन को संजोया।

आईएमएस गाजियाबाद में वृक्षारोपण व स्वच्छता अभियान

एनएसएस यूनिट ने 200 पौधे लगाए, हिंडन तट पर चलाया सफाई अभियान

गाज़ियाबाद (करंट क्राइम)। आईएमएस गाज़ियाबाद (यूनिवर्सिटी कोर्सेस कैंपस) के राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) इकाई द्वारा साई उपवन, न्यू बस स्टैंड के समीप, गाज़ियाबाद में वृक्षारोपण अभियान एवं स्वच्छता कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह पहल हरित भविष्य और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अभियान के दौरान लगभग 200 पौधों का रोपण किया गया, जो क्षेत्र की हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को भी सुदृढ़ करेंगे।

यह पहल वर्तमान समय की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक—पर्यावरण संरक्षण—के प्रति एक सराहनीय प्रयास है। यह कार्यक्रम साक्षमभूमि फाउंडेशन, यमुना टास्क फोर्स, संभवी एवं गाज़ियाबाद नगर निगम के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। विभिन्न संस्थाओं के संयुक्त प्रयास यह दशार्ते हैं कि जब समाज के विभिन्न वर्ग एकजुट होते हैं, तो सकारात्मक और सार्थक परिवर्तन संभव है। इस अवसर पर साक्षमभूमि फाउंडेशन के पर्यावरणविद् मोहित रेलहन एवं एनएसएस अधिकारी डॉ. ऋषि कुमार सिंह सहित एनएसएस इकाई के सदस्यों ने पर्यावरण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। वृक्षारोपण के दौरान जैविक तकनीकों से तैयार प्राकृतिक उर्वरकों का उपयोग किया गया।

लगाए गए पौधों में मुख्यतः नीम, बरगद, सागौन, शीशम, कनेर, आंवला, जामुन एवं रबर जैसे देशी प्रजातियों को शामिल किया गया। मोहित रेलहन ने अपने संबोधन में सतत विकास के महत्व पर बल देते हुए सभी से प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा लगाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने हिंडन नदी के तट को प्रदूषण मुक्त रखने, जल संरक्षण करने तथा पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस अवसर पर आईएमएस गाज़ियाबाद (यूसी कैंपस) की निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर ने प्रेरणादायक संदेश देते हुए कहा, प्रकृति के संरक्षण में ही मानवता का भविष्य सुरक्षित है। प्रत्येक व्यक्ति का छोटा-सा प्रयास भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा बदलाव ला सकता है।

हमें केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनकी देखभाल और संरक्षण को भी अपनी जिम्मेदारी बनाना चाहिए।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष स्वर्गीय चंद्र मोहन शर्मा अब हमारे बीच नहीं है लेकिन उनकी मधुर स्मृतियां सभी के हृदय पटल पर अंकित है। भाजपा नेता संदीप कुमार ने उनकी पांचवीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्रद्धा के इस भाव को उन्होंने फेसबुक पोस्ट पर साझा किया। यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

एससीओ बैठक में राजनाथ सिंह का सख्त संदेश

बोले - आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस

एससीओ मंच से बोले- आतंकवाद किसी हाल में बर्दाश्त नहीं, आतंक के अड्डे अब सुरक्षित नहीं

बिश्केक। एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में राजनाथ सिंह ने आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि सीमा पार आतंकवाद किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है और इस मुद्दे पर दोहरे मानदंड की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के मुद्दे पर बेहद स्पष्ट और सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि राज्य-प्रायोजित सीमा-पार आतंकवाद किसी भी देश की संप्रभुता पर सीधा हमला है और इसे किसी भी परिस्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

राजनाथ सिंह ने साफ शब्दों में कहा कि आतंकवाद के मामले में किसी भी तरह के दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एससीओ को ऐसे देशों के खिलाफ ठोस कदम उठाने चाहिए जो आतंकवादियों को समर्थन, संरक्षण या सुरक्षित पनाह देते हैं।

'आतंक के केंद्र अब सुरक्षित नहीं'

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि आतंकवाद के अड्डे अब दंड से बच नहीं सकते। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर मजबूती से कायम है। उन्होंने पिछले वर्ष पहलगाम में हुए आतंकी हमले को याद करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं पूरी मानवता को झकझोर देती हैं और वैश्विक समुदाय को एकजुट होकर इसके खिलाफ खड़ा होना चाहिए।

वैश्विक व्यवस्था पर चिंता और गांधी के विचारों का भी किया उल्लेख

राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में बदलते वैश्विक परिदृश्य पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय बढ़ते टकराव और एकतरफावाद के दौर से गुजर रही है, जिससे वैश्विक सहमति कमजोर हो रही है। महात्मा गांधी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 'आंख के बदले आंख' की नीति पूरी दुनिया को अंधकार की ओर ले जाती है। उन्होंने जोर दिया कि हर निर्णय का असर गरीब और जरूरतमंद लोगों पर भी पड़ता है, इसलिए शांति और करुणा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किर्गिस्तान सैन्य संस्थान (बिश्केक) और सैन्य इकाई 36806 (ओश) के आईटी केंद्रों में 12-12 कंप्यूटर सिस्टम देने के अहम प्रोजेक्ट के पूरा होने का एलान किया।

राजनाथ सिंह ने किर्गिस्तान के रक्षा मंत्री मेजर जनरल मुकामबेटोव रुस्लान मुस्तफाएविच के साथ रउड बैठक के इतर बेहद अहम और सफल बैठक की। इस शानदार मुलाकात के बाद राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर बताया कि भारत और किर्गिस्तान रणनीतिक भागीदार हैं, जो लोकतंत्र, विकास, संस्कृति और समृद्ध विरासत के साझा मूल्यों को मानते हैं। भारत किर्गिस्तान के साथ अपनी इस अहम साझेदारी को विकसित करने को बहुत ज्यादा प्राथमिकता देता है। भारत और किर्गिस्तान के बीच आपसी सहयोग अब किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कई अलग-अलग क्षेत्रों में फैल चुका है।

दोनों देशों के मजबूत होते रिश्तों में रक्षा सहयोग एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है। भारत लगातार अपनी कूटनीति के जरिए रणनीतिक रूप से अहम माने जाने वाले इन देशों के साथ रक्षा संबंध मजबूत कर रहा है।

आतंकवाद किसी धर्म या राष्ट्र से नहीं जुड़ा

रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद का कोई धर्म या राष्ट्रीयता नहीं होती। किसी भी शिकायत या मतभेद को हिंसा और निर्दोष लोगों की हत्या का आधार नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि कट्टरता, उग्रवाद और अलगाववाद से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बेहद जरूरी है। इसके साथ ही आतंकवादियों के सुरक्षित ठिकानों को खत्म करना और उन्हें राजनीतिक संरक्षण देने की प्रवृत्ति को रोकना समय की मांग है।

राजनाथ सिंह ने एससीओ के क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी ढांचे की सराहना करते हुए कहा कि यह मंच आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के खिलाफ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एससीओ के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सहयोग, समानता तथा पारस्परिक विश्वास के आधार पर संगठन को शांति और स्थिरता का प्रतीक बनाया जा सकता है।

इन दो देशों के रक्षा मंत्रियों से की मुलाकात

शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कजाकिस्तान और किर्गिस्तान के रक्षा मंत्रियों के साथ अहम द्विपक्षीय बैठकें की हैं। कजाकिस्तान के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल दौरेन कोसानोव से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच आपसी सम्मान के प्रतीक के रूप में उपहारों का आदान-प्रदान भी हुआ। इसके अलावा, भारत ने किर्गिस्तान की सेना को आधुनिक बनाने के लिए एक बड़ा प्रोजेक्ट भी पूरा कर लिया।

अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में पाकिस्तान का हवाई हमला, सात की मौत, 75 लोग घायल

काबुल। पाकिस्तान की तरफ से एक बार फिर अफगानिस्तान में हवाई हमला किया गया है। कुनार प्रांत में हुए ये हमले अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाते हैं। नागरिक क्षेत्रों और शैक्षणिक संस्थानों को निशाना बनाने से क्षेत्र में मानवीय संकट और गहराने की आशंका है।

अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में पाकिस्तानी हवाई हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई है और 75 अन्य घायल हो गए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला प्रांत की राजधानी असदाबाद और सरकानो जिले सहित कई क्षेत्रों को निशाना बनाकर किया गया। घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है क्योंकि मृतकों की पहचान का काम जारी है।

कहां हुआ हमला और कैसी है स्थिति?

असदाबाद के सरकारी अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि गंभीर रूप से घायल लोगों, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, को इलाज के लिए लाया गया है। बचाव दल स्थिति पर लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सोमवार को हुए इन हमलों में आवासीय इलाकों और सैयद जमालुद्दीन अफगान विश्वविद्यालय को भी निशाना बनाया गया। विश्वविद्यालय परिसर पर मोर्टार दागे गए, जिससे छात्रों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई। प्रभावित क्षेत्रों से भारी विस्फोटों और घने काले धुएं को उठते हुए देखा गया। विश्वविद्यालय परिसर और आसपास के इलाकों की इमारतों को काफी नुकसान पहुंचा है। विश्वविद्यालय पर हुए हमले में कम से कम 30 छात्र और कर्मचारी घायल हुए हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि हमलों की तीव्रता इतनी अधिक थी कि ड्रोन, विमान और रॉकेट हमलों की आशंका के कारण कई लोग अपने घरों से भागने को मजबूर हो गए।

अफगानिस्तान के उच्च शिक्षा मंत्रालय की कड़ी निंदा

सोमवार को अफगानिस्तान के उच्च शिक्षा मंत्रालय ने कुनार प्रांत में सैयद जमालुद्दीन अफगान विश्वविद्यालय पर पाकिस्तानी सैन्य बलों द्वारा किए गए मिसाइल हमले की कड़ी निंदा की है। मंत्रालय ने कहा कि इस हमले में लगभग 30 छात्र और प्रोफेसर घायल हुए हैं, जबकि विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे को भी व्यापक नुकसान पहुंचा है। मंत्रालय ने एक बयान में इस कृत्य को कायरतापूर्ण, क्रूर और सभी इस्लामी और अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों के विपरीत बताया।

हमले को अफगानिस्तान की शिक्षा और मूलभूत नींव पर हमला करार देते हुए, मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय संगठनों से इस क्रूर कार्रवाई के सामने चुप न रहने का आग्रह किया है। बयान में यह भी कहा गया है कि अफगानिस्तान के उच्च शिक्षा मंत्री, शेख नेदा मोहम्मद नदीम ने अधिकारियों को घायलों के त्वरित उपचार और देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने छात्रों, प्रोफेसरों और शैक्षणिक केंद्रों के प्रति अपना समर्थन दोहराया है और आश्वासन दिया है कि देश के शैक्षणिक केंद्रों, विशेष रूप से विश्वविद्यालयों और धार्मिक संस्थानों की सुरक्षा के लिए अपने सभी संसाधनों का उपयोग किया जाएगा।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान तनाव में वृद्धि

पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। दोनों देशों के बीच बार-बार गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं और नागरिक हताहतों को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। दोनों राष्ट्र एक-दूसरे पर अस्थिरता फैलाने का आरोप लगा रहे हैं, जबकि कूटनीतिक और स्थानीय मध्यस्थता के प्रयास अब तक निष्फल साबित हुए हैं।

मैक्सिको में ड्रग कार्टेल को बड़ा झटका: गिरफ्तार हुआ गिरोह का सबसे बड़ा नेता, अमेरिका ने रखा था बड़ा का इनाम

मैक्सिको। मैक्सिको जालिस्को नई पीढ़ी कार्टेल को बड़ा झटका देते हुए मैक्सिको सेना ने इसके बड़े नेता ऑडियास फ्लोरेस सिल्वा को नयारिट से गिरफ्तार कर लिया। एल जार्डिनेरो मारे गए सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वांतेस का संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा था। उस पर अमेरिका ने पांच मिलियन डॉलर का इनाम रखा था। मैक्सिको में सबसे ताकतवर माने जाने वाले ड्रग कार्टेल जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) को एक और बड़ा झटका लगा है।

सोमवार को मैक्सिको की सेना ने इस गिरोह के बड़े नेता ऑडियास फ्लोरेस सिल्वा को गिरफ्तार कर लिया। उसे एल जार्डिनेरो यानी माली के नाम से भी जाना जाता है। मैक्सिको सरकार के मुताबिक, फ्लोरेस सिल्वा को नयारिट राज्य के एल मिराडोर इलाके के पास सड़क किनारे एक गड्ढे में छिपे हुए पकड़ा गया। उसकी गिरफ्तारी के दौरान कोई मुठभेड़ नहीं हुई और न ही कोई घायल हुआ। फ्लोरेस सिल्वा को कार्टेल के मारे गए सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वांतेस उर्फ एल मेंचो का संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा था। एल मेंचो फरवरी में मैक्सिकन सेना के एक बड़े ऑपरेशन में मारा गया था। उसकी मौत के बाद पूरे देश में हिंसा भड़क गई थी, जिसमें 70 से ज्यादा लोग मारे गए थे, जिनमें 25 नेशनल गार्ड के जवान भी शामिल थे।

सिल्वा की गिरफ्तारी पर अमेरिका ने रखा था इनाम

बता दें कि अमेरिका ने फ्लोरेस सिल्वा की गिरफ्तारी पर 5 मिलियन डॉलर (करीब 40 करोड़ रुपये) का इनाम रखा था। वह कार्टेल में सुरक्षा प्रमुख था और नशे के कारोबार को जलिस्को, मैक्सिको स्टेट, जाकाटेकास और नयारिट जैसे इलाकों में चलाने में अहम भूमिका निभाता था।

उसकी गिरफ्तारी के बाद कुछ इलाकों में हिंसा की खबरें भी आईं, जहां कार्टेल के लोगों ने गाड़ियों और दुकानों में आग लगा दी।

अमेरिकी राजदूत ने कार्रवाई की तारीफ की

इस कार्रवाई की तारीफ रोनाल्ड जॉनसन (अमेरिकी राजदूत) ने भी की। उन्होंने कहा कि यह गिरफ्तारी फेंटेनाइल जैसे खतरनाक ड्रग्स के नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कारण है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही उखठऋसमेत कई मैक्सिकन कार्टेल्स को विदेशी आतंकी संगठन घोषित कर चुके हैं।

मैक्सिको के 32 में 21 राज्यों में सक्रिय है कार्टेल

हालांकि सुरक्षा विशेषज्ञ डेविड सॉसेडो का कहना है कि यह गिरफ्तारी बड़ी सफलता जरूर है, लेकिन ऐसे आपराधिक संगठन अपने नेताओं के पकड़े जाने या मारे जाने के बाद भी जल्दी फिर से खड़े हो जाते हैं और अपना नेटवर्क जारी रखते हैं। नशीले पदार्थों के प्रवर्तन का प्रशासन (ऊएअ) के मुताबिक, उखठऋ मैक्सिको के 32 में से 21 राज्यों में सक्रिय है और इसका नेटवर्क 100 से ज्यादा देशों तक फैल चुका है, जिसमें अमेरिका भी शामिल है। कुल मिलाकर, यह गिरफ्तारी मैक्सिको सरकार के लिए बड़ी कामयाबी है, लेकिन ड्रग कार्टेल्स के बढ़ते नेटवर्क को खत्म करना अब भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

आरोपी एलन ने परिवार से माफी मांग खरीदे हथियार

अमेरिकी सुरक्षा घेरा तोड़ने की थी साजिश

वॉशिंगटन। व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज में हुई फायरिंग की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। आरोपी ने हमले से पहले परिवार से माफी मांगी, फिर कैलिफोर्निया से हथियार खरीदकर वॉशिंगटन पहुंचा और पूरी साजिश को अंजाम देने की तैयारी की। वाशिंगटन में व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान हुई फायरिंग की घटना ने अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, आरोपी कोल टॉमस एलन को लेकर चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं।

हमले से पहले परिवार को भेजा था माफीनामा : अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने हमले से कुछ समय पहले अपने परिवार और एक पूर्व नियोक्ता को ईमेल भेजा था। इसमें उसने माफी और स्पष्टीकरण शीर्षक वाला दस्तावेज भी संलग्न किया था।

ईमेल में एलन ने लिखा, 'मैंने जो भी परेशानी पैदा की है, उसके लिए मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं और साथ ही यह भी कहा कि वह जो करने वाला है उसके लिए उसे माफी की उम्मीद नहीं है। मेरे प्रतिनिधियों के कार्यों का मुझ पर प्रभाव पड़ता है और मैं अब अपराधों को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हूं।'

कैलिफोर्निया से खरीदे थे हथियार

जांच में सामने आया है कि आरोपी ने हमले के लिए कई हथियार पहले ही खरीद लिए थे, जिनमें 12-गेज शॉटगन और .38 कैलिबर पिस्तौल शामिल हैं। ये हथियार उसने कैलिफोर्निया में खरीदे और बाद में उन्हें वाशिंगटन डीसी तक ले गया। रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने 6 अप्रैल को वाशिंगटन हिल्टन में 24 से 26 अप्रैल तक तीन रातों के लिए बुकिंग कर ली थी और कार्यक्रम स्थल की रेकी भी की थी। वह उसी होटल में ठहरा था जहां हाई-प्रोफाइल डिनर आयोजित होना था, जिसमें राष्ट्रपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

ट्रेन से पहुंचा वाशिंगटन

एलन ने 21 अप्रैल को लॉस एंजिल्स के पास स्थित अपने घर से ट्रेन से यात्रा शुरू की और 23 अप्रैल को शिकागो पहुंचा। इसके बाद वह वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना हुए, जहां वे 24 अप्रैल को दोपहर लगभग 1 बजे पहुंचा। दोपहर लगभग 3 बजे वह होटल पहुंचा और रातभर वहीं रुका रहा, उसने खुद को उसी इमारत के अंदर रखा, जहां वह हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम आयोजित होने वाला था। अधिकारियों ने बताया कि कोल टॉमस एलन को रात्रिभोज के कार्यक्रम और वरिष्ठ अमेरिकी नेताओं की उपस्थिति की जानकारी थी। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और मंत्रिमंडल के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित यह कार्यक्रम होटल के कॉनकोर्स तल पर स्थित एक बैंक्वेट हॉल में रात लगभग 8 बजे शुरू हुआ।

होर्मुज में समुद्री रास्ता खुलवाना चाहता है भारत

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जताई चिंता

न्यूयॉर्क। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच, भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवागमन को जल्द से जल्द बहाल करने का आग्रह किया है। भारत ने अपने नाविकों की सुरक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि किसी भी महत्वपूर्ण जलमार्ग को बंद करने के कथित प्रयासों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर सीधे परिणाम होते हैं।

समुद्री सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 'समुद्री क्षेत्र में जलमार्गों की सुरक्षा और संरक्षण' पर एक खुली बहस को संबोधित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रभारी राजदूत, योजन पटेल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत समुद्री सुरक्षा और जलमार्गों के संरक्षण को वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक समृद्धि के लिए आवश्यक मानता है।

अमेरिका में हिंदू मंदिरों को खतरों से बचाने की तैयारी, कांग्रेस ने पेश किया बड़ा बिल

वॉशिंगटन। अमेरिका में बीते कुछ समय से आस्था के स्थान खुद असुरक्षा की जद में आ गए हैं। हिंदू मंदिरों से लेकर यहूदी प्रार्थना स्थल, मस्जिदें और चर्च तक कई बार हो चुके हमले और धमकियों की घटनाओं ने पूरे अमेरिका में गंभीर बहस छेड़ दी है। इसी उथल-पुथल के बीच अमेरिकी कांग्रेस में एक सख्त और ऐतिहासिक प्रस्ताव पेश किया गया है। लॉमेकर्स का कहना है कि अलग-अलग धर्मों के लोगों के लिए खतरे बढ़ रहे हैं।

इस प्रस्ताव का नाम 'सेफगार्डिंग एक्सेस टू कांग्रेगेशन्स एंड रिलीजियस एस्टैब्लिशमेंट्स फ्रॉम डिसरप्शन' (सेक्रेड एक्ट) है। इसके तहत किसी भी पूजा स्थल के 100 फीट के दायरे में लोगों को डराना, रास्ता रोकना या परेशान करना संघीय अपराध माना जाएगा। इस प्रस्ताव को टॉम सुओजी ने पेश किया था और मैक्स मिलर ने इसमें उनका साथ दिया। सुओजी ने कहा कि किसी को भी परेशान होने या डराए-धमकाए जाने का हकदार नहीं होना चाहिए, खासकर तब जब वे अपने पूजा स्थल की ओर जा रहे हों। वहीं, मिलर ने कहा कि हर अमेरिकी को बिना किसी डर, धमकी या उत्पीड़न के अपने धर्म का पालन करने का हक है।

अमेरिका में धार्मिक जगहों पर बढ़ते हमले : बता दें अमेरिकी कांग्रेस का यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब धार्मिक स्थलों के आसपास हमलों और डराने-धमकाने की घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है। समर्थकों का कहना है कि हिंदू मंदिर, यहूदी प्रार्थना स्थल, मस्जिद और चर्च- सभी इस तरह की घटनाओं का सामना कर रहे हैं। 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' ने कहा कि पूरे अमेरिका में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने और उन्हें अपवित्र करने की घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है।

बिल को मिला कई संगठनों का समर्थन

गौरतलब है कि इस बिल को कई संगठनों का समर्थन मिला है, जिनमें 'एंटी-डेफेमेशन लीग', 'अमेरिकन ज्यूइश कमेटी' और 'इस्लामिक सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका' शामिल हैं। एंटी-डिफेमेशन लीग के अनुसार, यहूदियों के खिलाफ नफरत की घटनाएं बढ़ रही हैं। साल 2024 में ऐसी 9,354 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 1,702 घटनाएं यहूदी संस्थानों में हुईं। अमेरिकन ज्यूइश कमेटी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 55 प्रतिशत यहूदियों ने डर के कारण अपनी दिनचर्या में बदलाव किया है।

शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन पर छूट बरकरार

दूसरी ओर इस मामले में समर्थकों का कहना है कि अभी तक ऐसा कोई खास संघीय कानून नहीं है जो पूजा स्थलों के बाहर लोगों को परेशान किए जाने से बचाए। हालांकि इस बिल में यह भी साफ किया गया है कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार बना रहेगा, जो अमेरिका के संविधान के पहले संशोधन के तहत सुरक्षित है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में घृणा अपराध बढ़े हैं। हिंदू, यहूदी, मुस्लिम और सिख जैसे धार्मिक समुदायों ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। कानून बनाने वाले नेताओं का कहना है कि यह प्रस्ताव लोगों की सुरक्षा और उनके संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश है।

पूर्व राष्ट्रपति येओल की पत्नी को चार साल की कैद

भ्रष्टाचार के मामले में ठहराई गई दोषी

सियोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने देश के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी किम किओन ही को भ्रष्टाचार के एक और मामले में चार साल की सजा सुनाई है। दो महीने पहले उनके पति को देश में जबरन मार्शल लॉ लगाने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

जनवरी में एक जिला अदालत ने पूर्व प्रथम महिला किम को 20 महीने की सजा सुनाई थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने राजनीतिक लाभ देने के वादे के बदले यूनिफिकेशन चर्च से उपहार लिए थे। इन उपहारों में एक ग्राफ कंपनी का हीरे का हार और एक चैनल बैग शामिल था। हालांकि, उसी समय उन्हें एक शेयर कीमत में हेरफेर के मामले में बरी कर दिया गया था, जो मामला उनके प्रथम महिला बनने से पहले का था।

सिओल हाईकोर्ट ने सजा बढ़ाकर चार साल की

बाद में दोनों पक्षों ने इस फैसले के खिलाफ अपील की। मंगलवार को सियोल हाईकोर्ट ने उनकी सजा बढ़ाकर चार साल कर दी। अदालत ने उन्हें यूनिफिकेशन चर्च से एक और चैनल बैग (कीमती हैंडबैग) लेने और शेयरों की कीमत में हेरफेर के मामले में भी दोषी पाया।

दंपति की स्थिति उस समय बदली, जब दिसंबर 2024 में यून ने मार्शल लॉ लगाया, जिसके कारण उनके खिलाफ महाभियोग शुरू हुआ और उन्हें पद से हटा दिया गया। इसके बाद उन पर कई आपराधिक मामले चले। जांचकताओं का कहना है कि किम का मार्शल लॉ लागू करने से कोई संबंध नहीं था। अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति की पत्नी होने के नाते किम देश का प्रतिनिधित्व करती हैं और राष्ट्रपति पर उनका प्रभाव होता है। लेकिन उन्होंने ईमानदारी से काम नहीं किया और अपने प्रभाव का उपयोग करके उपहार प्राप्त किए।

जांच टीम ने की थी 15 साल की सजा की मांग

किम और स्वतंत्र जांच टीम दोनों के पास अब सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने के लिए एक सप्ताह का समय है। जांच टीम ने पहले 15 साल की सजा की मांग की थी। जबकि किम के वकीलों का कहना है कि जांच राजनीतिक रूप से प्रेरित थी।

पिछले साल अगस्त से जेल में हैं किम

किम पिछले साल अगस्त से जेल में हैं। तब अदालत ने उन्हें सबूत नष्ट करने की आशंका के कारण गिरफ्तार करने का वारंट जारी किया था। अपने कार्यकाल के दौरान भी किम कई विवादों में घिरी रहीं, जिससे राष्ट्रपति की लोकप्रियता प्रभावित हुई।

येओल ने अचानक देश में लगा दिया था मार्शल लॉ

तीन दिसंबर 2024 को यून ने अचानक मार्शल लॉ लगा दिया था और संसद पर सैनिकों और पुलिस को भेज दिया। उन्होंने कहा था कि वह 'देश विरोधी ताकतों' और 'उत्तर कोरिया समर्थकों' को खत्म करना चाहते हैं। बाद में उन्होंने कहा कि यह कदम विपक्ष के खिलाफ संघर्ष के लिए जरूरी था।

अदालत ने येओल को विद्रोह का नेतृत्व करने का दोषी पाया

फरवरी में सियोल की एक अदालत ने यून को विद्रोह का दोषी पाया, क्योंकि उन्होंने सेना और पुलिस का उपयोग करके संसद पर नियंत्रण करने, राजनीतिक विरोधियों को गिरफ्तार करने और लंबे समय तक बेरोकटोक सत्ता चलाने की कोशिश की थी।

इमरान खान फिर अस्पताल पहुंचे, आंख के इलाज के लिए चौथा इंजेक्शन

पिम्स में सर्जरी के बाद हालत स्थिर, पीटीआई ने इलाज को लेकर उठाए सवाल

पाकिस्तान। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को एक बार फिर आंखों के इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पिम्स अस्पताल में उन्हें चौथी बार इंट्राविट्रियल एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन दिया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई संस्थापक इमरान खान की पाकिस्तान आयुर्विज्ञान संस्थान (पिम्स) में एक बार फिर आंखों की सर्जरी की गई है। अस्पताल के प्रवक्ता के अनुसार, उन्हें चौथा इंट्राविट्रियल एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन दिया गया। इसके बाद उनको मंगलवार सुबह पिम्स अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। इमरान खान पिछले कुछ समय से आंख की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं।

कैसे हैं इमरान खान?

अस्पताल के प्रवक्ता ने बताया कि 74 वर्षीय इमरान खान को 28 अप्रैल को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया था। डॉक्टर ने जांच के बाद उनकी हालत को स्थिर बताया और फिर ऑपरेशन थिएटर में जरूरी प्रक्रियाओं के बाद उन्हें चौथा इंजेक्शन दिया गया। इमरान खान की दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्ल्यूजन यानी सीआरवीओ नाम की बीमारी है, जिसका पता इस साल जनवरी के अंत में चला था।

इससे पहले इमरान खान को 24 जनवरी को पहला इंजेक्शन लगाया गया था। इसके बाद 24 फरवरी को उन्हें दूसरी खुराक दी गई और 23 मार्च को तीसरा इंजेक्शन लगाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उनके ताजा टेस्ट में सुधार देखा गया है। यह प्रक्रिया एक डे केयर सर्जरी की तरह थी जिसके बाद उन्हें जरूरी सुझावों के साथ अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

पीटीआई के अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली खान बोले

पीटीआई के अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली खान ने सोशल मीडिया पर इमरान खान के अस्पताल जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि इमरान खान को रात में इंजेक्शन और मेडिकल चेकअप के लिए पिम्स ले जाया गया था। हालांकि उन्होंने सरकार के रवैये पर सवाल भी उठाए हैं।

बैरिस्टर गोहर अली खान ने कहा, 'इलाज जो भी हो लेकिन हमारी चिंताएं अभी भी बनी हुई हैं। इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को किसी ऐसे अस्पताल में शिफ्ट किया जाना चाहिए जहां उनके निजी डॉक्टरों और परिवार की देखरेख में इलाज हो सके। यह उनका मौलिक अधिकार है और हम लंबे समय से इसकी मांग कर रहे हैं।'

विपक्ष लगातार मांग कर रहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री को इलाज के लिए शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में शिफ्ट किया जाए। पीटीआई का आरोप है कि सरकार इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर पारदर्शिता नहीं बरत रही है और उनके निजी डॉक्टरों को उन तक पहुंचने नहीं दिया जा रहा है। सरकार ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

गौरतलब है कि इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी इस समय रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। जेल अधिकारियों के अनुसार 17 अप्रैल को बुशरा बीबी की भी रावलपिंडी के एक अस्पताल में आंख की सर्जरी हुई थी। फिलहाल दोनों की सेहत पर डॉक्टरों की टीम नजर बनाए हुए है।

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY
غازی آباد ڈویلپمنٹ اتھارٹی

कल्कि धाम में भक्ति और आस्था का संगम श्रद्धा के साथ मनाया गया जयंती समारोह

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कल्कि धाम में श्रद्धा पूर्वक मनाया गया जयंती समारोह। कल्कि धाम में जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम के साथ सोहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के व्यापार प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा शिक्षा विद डॉक्टर रामावतार जिंदल भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। जयंती समारोह को लेकर डॉक्टर रामावतार जिंदल ने कहा कि यह आध्यात्म और आस्था का एक अनूठा संगम है यहां आकर एक विशेष प्रकार की अनुभूति हुई है।

निर्विरोध बनी बार की नई टीम, गीता शर्मा के नेतृत्व में 2026-27 कार्यकारिणी गठित

गाजियाबाद करंट क्राइम। नवयुग मार्केट स्थित अन्नपूर्णा बैंक्विट हॉल में गाजियाबाद अधिवक्ता बार एसोसिएशन की वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी के गठन की चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। चुनाव अधिकारी की देखरेख में हुए इस चुनाव में अधिवक्ताओं ने एकजुटता और आपसी विश्वास का परिचय देते हुए पूरी कार्यकारिणी का चयन निर्विरोध किया। नई कार्यकारिणी में गीता शर्मा को अध्यक्ष, अमन कुमार अग्रवाल को उपाध्यक्ष, शिवम गर्ग को महासचिव और प्रिंस वाधवा को कोषाध्यक्ष चुना गया। सहसचिव पद पर अमित चौधरी, राजन, सुनील कुमार और रजत कुमार गर्ग को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अजय कुमार शर्मा और रवि कुमार, जबकि जूनियर कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मोनी कुमार और लोकेश शर्मा को शामिल किया गया है।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एसोसिएशन द्वारा जताए गए विश्वास पर खरा उतरना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने अधिवक्ता हितों की रक्षा और बार एवं बेंच के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के अंत में अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित टीम को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान बार के सशक्त भविष्य और अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया गया।

हीटवेव में औद्योगिक इकाइयों के लिए अलर्ट
एडीएम ने जारी किए सख्त दिशा-निर्देश

गाजियाबाद करंट क्राइम। जनपद में बढ़ते तापमान और हीटवेव (लू) की आशंका को देखते हुए अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) सौरभ भट्ट ने औद्योगिक इकाइयों के लिए विस्तृत सुरक्षा दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उच्च तापमान के चलते रासायनिक रिसाव, आग और विस्फोट की घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, ऐसे में सभी इकाइयों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य होगा।

उच्च तापमान में बढ़ता जोखिम, सतर्कता जरूरी

प्रशासन ने चेतावनी दी है कि हीटवेव के दौरान रासायनिक प्रतिक्रियाएं तेज हो जाती हैं, जिससे अचानक आग, गैस रिसाव और विस्फोट जैसी घटनाएं हो सकती हैं। जन-धन की सुरक्षा के लिए सभी औद्योगिक इकाइयों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। भंडारण और तापमान नियंत्रण पर विशेष जोर ज्वलनशील और विस्फोटक रसायनों को 25-30 डिग्री सेल्सियस के नियंत्रित तापमान में सुरक्षित रखने, धूप से दूर रखने तथा भंडारण स्थलों पर उचित वेंटिलेशन और कूलिंग सिस्टम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी कंटेनरों को लीक-

प्रूफ, कर मानकों के अनुरूप और सही लेबलिंग के साथ रखने को कहा गया है।

कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान

सभी कर्मचारियों को पीपीई किट (हेलमेट, ग्लव्स, मास्क, गॉगल्स) उपलब्ध कराने, हीट स्ट्रेस से बचाव के लिए शिफ्ट रोटेशन लागू करने और पर्याप्त पेयजल, डफर व विश्राम की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। विद्युत और परिवहन सुरक्षा के निर्देश ओवरलोडिंग, स्पार्किंग और ढीले तारों की तत्काल मरम्मत तथा फ्लेम-प्रूफ उपकरणों के उपयोग के निर्देश दिए गए हैं। केमिकल ट्रांसपोर्ट के दौरान टैंकर/ड्रम को धूप में खड़ा न रखने और सही लेबलिंग व टरआ उपलब्ध रखने को अनिवार्य किया गया है। आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई के निर्देश रासायनिक रिसाव या आग लगने की स्थिति में क्षेत्र को तुरंत खाली कराने, इमरजेंसी अलार्म सक्रिय करने, फायर एवं इमरजेंसी सेवाओं को सूचित करने और जिला प्रशासन को तत्काल जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी औद्योगिक इकाइयों को निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

नियमित निरीक्षण और 247 निगरानी अनिवार्य

टैंक, पाइपलाइन, वाल्व और प्रेशर गेज की दैनिक जांच के साथ गैस डिटेक्टर, तापमान सेंसर और अलार्म सिस्टम को सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं। सीसीटीवी के माध्यम से निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन तैयारी पर फोकस फायर एक्सटिंग्विशर, हाइड्रेंट सिस्टम और सैंड बकेट्स को पूरी तरह कार्यशील रखने, ऑन-साइट इमरजेंसी प्लान अपडेट रखने और साप्ताहिक मॉक ड्रिल कराने के निर्देश जारी किए गए हैं।

जयंत चौधरी के नेतृत्व में रालोद का विस्तार तेज, इन्द्रजीत सिंह टीटू का सर्वसमाज को खुला न्योता

मेरठ करंट क्राइम। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के नेतृत्व में संगठन विस्तार अभियान को गति मिल रही है। इसी क्रम में मेरठ मंडल अर्बन कमेटी के प्रभारी इन्द्रजीत सिंह टीटू ने सर्वसमाज को राष्ट्रीय लोकदल से जुड़ने का खुला निमंत्रण दिया है।

इन्द्रजीत सिंह टीटू ने कहा कि युवाओं, किसानों, मातृशक्ति और समाज के हर वर्ग की भागीदारी से ही संगठन मजबूत होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह धारणा पूरी तरह गलत है कि राष्ट्रीय लोकदल केवल देहात तक सीमित है, बल्कि पार्टी शहरी क्षेत्रों में भी तेजी से अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की नीतियों, अजीत सिंह की कार्यशैली और वर्तमान में जयंत चौधरी के नेतृत्व से प्रभावित हैं, वे राष्ट्रीय लोकदल में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। पार्टी में समर्पित और योग्य कार्यकर्ताओं को उनकी क्षमता के अनुसार स्थान दिया जाता है। टीटू ने बताया कि पार्टी से जुड़ने पर कार्यकर्ताओं को नेतृत्व से सीधे संवाद का अवसर मिलता है और उनकी बात शीर्ष स्तर तक पहुंचती है। साथ ही, सरकार की योजनाओं को समाज तक पहुंचाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि यह समय संगठन को मजबूत करने का है और सभी वर्गों को एकजुट होकर जयंत चौधरी के नेतृत्व को और सशक्त बनाना चाहिए।

गोविंदपुरम में शिव हनुमान मंदिर का वार्षिक उत्सव, भक्ति और उत्साह से सराबोर हुआ माहौल

गाजियाबाद करंट क्राइम। गोविंदपुरम स्थित सनातन धर्म शिव हनुमान मंदिर के वार्षिक उत्सव में श्रद्धा और आस्था का भव्य दृश्य देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण जयकारों से गूंजता रहा। धार्मिक अनुष्ठानों, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण के बीच आयोजन ने सामाजिक एकता का भी संदेश दिया।

इस दौरान भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रदेश संयोजक, राष्ट्रीय सदस्यता अभियान डॉ. अजय शर्मा की उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। उन्होंने श्रद्धालुओं के बीच पहुंचकर मंदिर समिति और आयोजकों की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। वहीं लेखराज माहौर की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम में अलग ऊर्जा भर दी। उन्होंने श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए सेवा और संगठन की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। आयोजन में बबलू राघव द्वारा अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया। उनके स्नेहपूर्ण व्यवहार और प्रसाद वितरण की व्यवस्था ने श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में विधायक मुरादनगर अजीत पाल त्यागी, पूर्व विधायक डिबाई डॉ. अनिता लोधी, एडवोकेट संदीप यादव, मुकेश राघव सहित कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। देर शाम तक चले इस उत्सव में भक्ति और सामाजिक समरसता का अनूठा संगम देखने को मिला।

निर्विरोध बनी बार की नई टीम, गीता शर्मा के नेतृत्व में 2026-27 कार्यकारिणी गठित

गाजियाबाद करंट क्राइम। नवयुग मार्केट स्थित अन्नपूर्णा बैंक्विट हॉल में गाजियाबाद अधिवक्ता बार एसोसिएशन की वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी के गठन की चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। चुनाव अधिकारी की देखरेख में हुए इस चुनाव में अधिवक्ताओं ने एकजुटता और आपसी विश्वास का परिचय देते हुए पूरी कार्यकारिणी का चयन निर्विरोध किया।

नई कार्यकारिणी में गीता शर्मा को अध्यक्ष, अमन कुमार अग्रवाल को उपाध्यक्ष, शिवम गर्ग को महासचिव और प्रिंस वाधवा को कोषाध्यक्ष चुना गया। सहसचिव पद पर अमित चौधरी, राजन, सुनील कुमार और रजत कुमार गर्ग को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अजय कुमार शर्मा और रवि कुमार, जबकि जूनियर कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मोनी कुमार और लोकेश शर्मा को शामिल किया गया है। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एसोसिएशन द्वारा जताए गए विश्वास पर खरा उतरना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने अधिवक्ता हितों की रक्षा और बार एवं बेंच के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम के अंत में अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित टीम को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान बार के सशक्त भविष्य और अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया गया।

कूड़े के ढेर पर कुर्सी डालकर बैठ गए मिस्टर सैफी
हिण्डन विहार से उठी गंदगी के खिलाफ सीधी हुंकार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। हिण्डन विहार में गंदगी से परेशान एक जागरूक युवक अखलाख सैफी ने अनोखे अंदाज में विरोध दर्ज कराया। वह कूड़े के ढेर के बीच कुर्सी डालकर बैठ गया और वहीं से नगर निगम को आईना दिखाते हुए सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। इलाके में लंबे समय से कूड़े के ढेर, बदबू और बीमारियों का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं।

ऐसे में अखलाख सैफी का यह कदम लोगों की नाराजगी और बेबसी की तस्वीर बनकर सामने आया। अखलाख सैफी ने कहा कि यह कोई शौक नहीं, बल्कि मजबूरी है। हम टैक्स भी देते हैं और वोट भी, लेकिन बदले में गंदगी और उपेक्षा मिलती है। बच्चे इसी माहौल में खेल रहे हैं और लोग इसी हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। उन्होंने स्मार्ट सिटी के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि सफाई सिर्फ कागजों में नजर आती है, जमीन पर नहीं। यह अनोखा विरोध अब इलाके में चर्चा का विषय बन गया है और सोशल मीडिया पर भी तेजी से फैल रहा है। अखलाख सैफी ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो यह आवाज और तेज होगी और विरोध का दायरा बढ़ेगा।

हिण्डन विहार की यह तस्वीर नगर निगम की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस कूड़े के दरबार से उठी आवाज को कितना गंभीरता से लेता है।

शराबी ने पत्नी से मारपीट कर किया बेहोश, मामला दर्ज

नोएडा। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के छलेरा गांव में एक महिला ने अपने पति पर मारपीट कर बेहोश करने का आरोप लगाया है। घायल महिला का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, छलेरा गांव निवासी पूजा चौहान ने थाना सेक्टर-39 में दी गई शिकायत में आरोप लगाया कि उनके पति धर्मेंद्र चौहान देर रात करीब ढाई बजे शराब के नशे में घर पहुंचे और उनके साथ मारपीट की। महिला का आरोप है कि पति ने थप्पड़ मारकर उसे बेहोश कर दिया। पीड़िता के अनुसार, मारपीट के बाद आरोपी ने पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। महिला ने किसी तरह अपनी जान बचाई। थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि महिला की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की तलाश की जा रही है। महिला का यह भी कहना है कि आरोपी पति पहले भी शराब के नशे में उसके साथ मारपीट कर चुका है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

तुगलक रोड पर रालोद को मिला समर्थन
जयंत चौधरी से अमरीश त्यागी के नेतृत्व में भेंट

नई दिल्ली करंट क्राइम। 25 तुगलक रोड स्थित आवास पर केंद्रीय मंत्री सह राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी से राष्ट्रीय लोकदल के नेता अमरीश त्यागी के नेतृत्व में त्यागी समाज सहित सर्वसमाज के लोगों ने भेंट कर पार्टी के प्रति अपना विश्वास और समर्थन व्यक्त किया।

इस दौरान व्यापार जगत, किसान संगठनों, शिक्षा क्षेत्र (स्कूल संस्थानों) और विभिन्न एनजीओ से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर जयंत चौधरी के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों और विचारधारा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

जयंत चौधरी बोले- संगठन को और मजबूत करें इस अवसर पर जयंत चौधरी ने सभी का स्वागत करते हुए क्षेत्र के विकास और सर्वसमाज की उन्नति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई तथा संगठन को और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अमरीश त्यागी की सक्रिय भूमिका प्रमुख रही, जिनके नेतृत्व में यह भेंट कार्यक्रम आयोजित हुआ। यह मुलाकात रालोद के प्रति बढ़ते समर्थन का संकेत मानी जा रही है।

लोकार्पण

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कवि नगर थाने के लोकार्पण अवसर पर भाजपा नेता तथा पूर्व पार्षद रियाजुद्दीन सलमानी भी मौजूद रहे। रियाजुद्दीन सलमानी ने इस अवसर पर पुलिस विभाग के सभी अधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं।

मोदीनगर में उत्तराखंड रोडवेज बस ने पिता-पुत्र को रौंदा; पिता की मौत, बेटा गंभीर

मोदीनगर करंट क्राइम। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर गोविंदपुरी पुलिस चौकी के सामने सड़क पार कर रहे पिता-पुत्र को उत्तराखंड रोडवेज की बस ने टक्कर मार दी। इस हादसे में मोदीनगर के विजयनगर के सिमोद (पिता) की मौत हो गई। पुत्र उर्भाष की हालत अस्पताल में गंभीर बनी हुई है। दोनों पिता-पुत्र शादी समारोह में ढोल बजाने का काम करते थे। उनकी गोविंदपुरी में ही दुकान हैं। आरोपित चालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गया। सिमोद की पत्नी की तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है। आरोपित चालक की तलाश चल रही है।

वार्ड 97 चंद्रनगर को जलभराव से मिलेगी मुक्ति
3 करोड़ की लागत से नई सीवर लाइन का काम शुरू

- 40 साल पुरानी समस्या का समाधान, पार्षद भगवान अग्रवाल के किय्या उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वार्ड 97 के चंद्रनगर और आसपास के इलाकों में दशकों से चली आ रही जलभराव और सीवर ओवरफ्लो की समस्या अब जल्द ही बीते दिनों की बात हो जाएगी। सोमवार को चंद्रनगर टंकी कंपाउंड में 24 इंच की नई सीवर लाइन बिछाने के कार्य का विधिवत उद्घाटन किया गया। लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से क्षेत्र के हजारों निवासियों को सीधा लाभ मिलेगा।

40 साल पुरानी समस्या का समाधान उद्घाटन के अवसर पर स्थानीय निगम पार्षद श्री भगवान अग्रवाल ने बताया कि इस क्षेत्र में वर्तमान सीवर लाइन करीब 40 साल पुरानी हो चुकी थी। जर्जर होने के कारण यह लाइन अक्सर चोक हो जाती या टूट जाती थी। स्थिति इतनी विकट थी कि मात्र 5 मिनट की बारिश या सामान्य दबाव में भी सीवर का गंदा पानी सड़कों पर बहने लगता था, जिसे ठीक करने में नगर निगम को हफ्तों का समय लग जाता था।

हफ्ते में पूरा होगा लक्ष्य यह महत्वपूर्ण कार्य बबाक कंपनी द्वारा किया जा रहा है। पार्षद ने आश्वस्त किया कि निर्माण कार्य को युद्ध स्तर पर चलाते हुए अगले कुछ दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। उद्घाटन कार्यक्रम में कंपनी के अधिकारियों के साथ क्षेत्र के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। पार्षद श्रीभगवान अग्रवाल ने बताया कि सीवर लाइन का काम संपन्न होते ही स्थानीय निवासियों के लिए एक और खुशखबरी है।

सीवर लाइन डालने के तुरंत बाद चंद्रनगर की मुख्य सड़क को सीसी रोड का कार्य शुरू होगा। इससे न केवल जल निकासी बेहतर होगी, बल्कि धूल और गड्ढों से भी निजात मिलेगी। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास के लिए बड़ा कदम बताया है। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष सुधीर त्यागी भाजपा नेत्री रीता सिंह आरडब्ल्यूए अध्यक्ष संजीव सुमित रवि आहूजा संदीप सयाल वार्ड अध्यक्ष त्रिलोक सिंह लवली आदि लोग मौजूद रहे।